CMYK

दैनिक

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

n वर्ष : 11 अंक : 96 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, शनिवार 25 अप्रेल, 2026 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162

विकसित राजस्थान का संकल्प

23890 करोड रुपए के विकास कार्यों को लेकर भजनलाल शर्मा की मैराथन बैठक

राज उन्नति की चौथी बैठक में प्रदेश के विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास प्रोजेक्ट को लेकर सभी विभागों के अधिकारियों से मुख्यमंत्री ने लिया फीडबैक, लापरवाही बरतने के मामले में दो कर्मचारियों को किया निलंबित तथा एक कर्मचारी को दिया नोटिस, बैठक में मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास भी रहे मौजूद, मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों में और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले और जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को दी कड़ी चेतावनी

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और विभिन्न तरह के विकास प्रोजेक्ट के निर्माण कार्यों को लेकर शुरू से ही काफी गंभीर और चौकस रहे हैं इसके लिए उन्होंने बाकायदा नवाचार करते हुए राज उन्नति के तहत विभिन्न विभागों से संबंधित विकास प्रोजेक्ट के निर्माण कार्य और केंद्र तथा राज्य सरकार की ओर से संचालित की जा रही योजनाओं के क्रियान्वयन का हर महीने फीडबैक ले रहे हैं प्रदेश के विकास की दृष्टि से यह बैठक काफी महत्वपूर्ण मानी जाती है और इस बैठक का शुभारंभ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा न हीं किया है अब तक तीन बैठक राज उन्नति की हो चुकी है जिसमें मुख्यमंत्री शर्मा ने हर बैठक में विभिन्न विकास प्रोजेक्ट के निर्माण प्रक्रिया के बारे में तो फीडबैक लिया ही है इसके अलावा उन्होंने हर बैठक में पिछले बैठक में लिए गए डिसीजन के क्रियान्वयन के बारे में भी अगली बैठक में जरूर फीडबैक लेते हैं इसी क्रम में शुक्रवार को उन्होंने राज उन्नति की चौथी बैठक आयोजित की इस बैठक में प्रदेश के मुख्य सचिव श्री निवास और सभी सरकारी विभागों के बड़े अधिकारी मौजूद रहे बैठक में करीब 23 हजार 890 करोड रुपए के विकास प्रोजेक्ट के निर्माण और विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के अनुमान के बारे में मुख्यमंत्री ने संबंधित विभाग के अधिकारियों से फीडबैक लिया जानकारी के

अनुसार शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का शुक्रवार को आयोजित हुई इस बैठक में एक अलग ही अंदाज देखने को मिला जब उन्होंने काम में लापरवाही बरतेन के मामले में दो कर्मचारियों को निलंबित किया तथा एक कर्मचारियों को नोटिस भी दिलवाया है इसके अलावा उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को साफ निर्देशित किया है कि निर्धारित अवधि तक हर हाल में हर प्रोजेक्ट पूरा किया जाए और अगर कोई इस कार्य में लापरवाही बरतता हुआ नजर आए तो उसके खिलाफ तत्काल कड़ी कार्रवाई की जाए उन्होंने अधिकारियों से साफ कह दिया है कि अब किसी भी सूरत में किसी भी कार्य में लापरवाही भ्रष्टाचार, और विलंब सहन नहीं किया जाएगा इसके लिए संबंधित विभाग के बड़े अधिकारी को जिसके पास कार्य की जिम्मेदारी है उसे जवाब देना ही होगा । जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री शर्मा ने राज उन्नति की बैठक में अमृत-2.0 योजना पर ठीक तरह से कार्य नहीं होने पर नाराजगी और अपना आक्रोश प्रकट किया उन्होंने इस योजना से जुड़े अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुए गंभीरता से काम करने के निर्देश दिए बैठक में मुख्यमंत्री शर्मा के कड़क मिजाज को देखकर अधिकारी भी काफी चकित रह गए क्योंकि शुक्रवार को मुख्यमंत्री शर्मा पूरी तैयारी के साथ बैठक में आए थे और एक-एक योजना और एक-एक प्रोजेक्ट के बारे में उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों से फीडबैक लिया इसके अलावा राज उन्नति की तीसरी बैठक में उन्होंने जिन अधिकारियों को जो टास्क दिए थे उनके बारे में भी उन अधिकारियों से सवाल जवाब किया तथा फीडबैक लिया जानकारी के अनुसार प्रदेश के सर्वांगीण विकास की दशा तय करने वाली इस बैठक में दिल्ली की तर्ज पर बनने जा रहे राजस्थान मंडपम को लेकर भी संबंधित अधिकारियों से सवाल जवाब किया तथा प्रदेश के पिछले बजट और इससे पहले वाले बजट में राजधानी जयपुर और प्रदेश में अन्य जगहों पर करोड़ों रुपए की लागत पर बनने वाले महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट को लेकर भी चर्चा की मुख्यमंत्री शर्मा ने बजट में जयपुर में भी टोंक रोड पर कई तरह की बड़ी-बड़ी घोषणाएं की थी जिन्हें धरातल पर लाने के लिए अधिकारियों के साथ चर्चा की इसी तरह से कोटा में ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट के निर्माण को लेकर भी बैठक में गंभीरता से संबंधित अधिकारियों से चर्चा की गई इस प्रोजेक्ट को लेकर आगे कैसे और किस तरह से कार्य करना है इन सब विषयों को लेकर उन्होंने चर्चा की इसके अलावा बैठक में मौजूद सभी विभागों के अधिकारियों से उनके विभागों के कामकाज के बारे में भी फीडबैक लिया तथा केंद्र सरकार और राजस्थान सरकार की ओर से संचालित की जा रही विभिन्न तरह की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के बारे में भी विस्तार से जानकारी हासिल की ।

एसएमएस स्टेडियम में आज राजस्थान रॉयल्स और सनराइज हैदराबाद के बीच कांटे का मुकाबला, वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा पर रहेंगी सबकी निगाह

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी जयपुर में सवाई मानसिंह स्टेडियम में आज शाम राजस्थान रॉयल्स और सनराइज हैदराबाद के बीच काफी कांटे का मुकाबला होने के आसार हैं एक तरफ सनराइज हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फुल फॉर्म में है और इस प्रतियोगिता में इस बार अभिषेक चौके की तुलना में छक्का ज्यादा मार रहे हैं उन्होंने इस सीजन में विस्फोटक क्रिकेट खेला है इसलिए उन्हें देखने के लिए क्रिकेट के दीवाने काफी आतुर हैं तो दूसरी तरफ राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी जो 14 साल की उम्र में ही पिछले सीजन में आईपीएल प्रतियोगिता में सेंचुरी मारकर दुनिया भर में छा गए हैं उन पर भी फैंस की काफी नजर रहेगी वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स टीम का हिस्सा है इसलिए उन्हें अपने घरेलू मैदान दर्शकों का भी खूब सपोर्ट मिलेगा कुल मिलाकर आज का मैच काफी रोमांचक होने वाला है सनराइज हैदराबाद के स्टार बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के आराध्य गोविंद देव जी मंदिर में पूजा अर्चना जी की है मंदिर के पुजारी ने बाकायदा अपने हाथों से अभिषेक शर्मा से पूजा अर्चना करवाई मंदिर प्रशासन की ओर से अभिषेक शर्मा का स्वागत किया गया इस आईपीएल सीजन का जयपुर में आज का यह पहला मैच है इससे पहले राजस्थान रॉयल नाग शुरुआत के तीन मैच गुवाहाटी में खेले और तीनों ही मैच जीते हैं सवाई मानसिंह स्टेडियम में करीब 25000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है यह ऐतिहासिक स्टेडियम है और यहां टेस्ट मैच वनडे और टी 20 मैच भी खूब हो चुके हैं इसके अलावा आईपीएल प्रतियोगिता के ही यहां अब तक 60 मैच हो चुके हैं इस ग्राउंड के साथ भारत और दुनिया भर के महान क्रिकेटरों की यादें जुड़ी हुई है जयपुर पुलिस ने मैच देखना आने वाले लोगों की संख्या को देखते भी सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए हैं मैदान के अंदर और मैदान के बाहर कड़ी सुरक्षा का घेरा बनाया गया है ।

बम से उडाने के फर्जी कॉल देश से बाहर से आ रहे हैं: जोगाराम पटेल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। प्रदेश के कानून मंत्री जोगाराम पटेल ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि राजधानी

जयपुर सहित पूरे प्रदेश में बम होने की जो सूचना बार-बार दी जाती है जानकारी मिली है कि यह सूचना देश से बाहर से आ रही है इसलिए इस तरह के मामलों की जांच में पुलिस के सामने कई बड़ी-बड़ी समस्याएं और चुनौतियां हैं फिर भी सभी मामलों की गंभीरता से जांच करती हैं पटेल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान पर पलटवार करते हुए बताया कि पिछली कांग्रेस पार्टी के शासनकाल की तुलना में वर्तमान में प्रदेश में अपराधों में तेजी से गिरावट आ रही है उन्होंने कहा की हत्या, लूट, डकैती, दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराध के मामलों में तेजी से गिरावट आ रही है उन्होंने बताया कि पिछली कांग्रेस पार्टी की सरकार के समय पुर 5 साल तक भ्रष्टाचार, पेपर लीक, महिलाओं से दुष्कर्म छेड़छाड़, हत्या, डकैती, हफ्ता वसूली, अवैध मादक पदार्थों और हथियारों की तस्करी, बजरी माफिया खनन माफिया जैसे अपराधों से राजस्थान में अराजकता का माहौल बना हुआ था लेकिन पिछले सवा दो साल में भजनलाल सरकार में शांति और कानून व्यवस्था मजबूत हुई है गंभीर अपराधों में तेजी से गिरावट आ रही है हमारी सरकार में अब तक 350 सरकारी भर्ती परीक्षाओं का आयोजन हो चुका है जिसमें एक भी पेपर में किसी भी तरह की गड़बड़ी कमियां और पेपर लीक जैसी शिकायत सामने नहीं आई है जबकि पिछले गहलोत सरकार में पूरे 5 साल तक एक के बाद एक सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होते रहे और राजस्थान का युवा नौकरी के लिए भटकता रहा शुक्रवार को भी राजस्थान विधानसभा को बम से उडाने की धमकी ईमेल के माध्यम से दी गई थी इसके बाद मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने पूरे विधानसभा परिसर को खाली करवाया और विधानसभा के अंदर और विधानसभा के बाहर के इलाके में काफी देर तक तलाशी अभियान को अंजाम दिया गया मौके पर डॉग स्क्वाड और बामनिरोधक दस्ता भी बुलवाया गया था इनके माध्यम से सघन जांच पड़ताल विधानसभा परिसर में की गई लेकिन जांच पड़ताल में कहीं भी किसी भी तरह की कोई संदिग्ध वस्तु नजर नहीं आई इस बारे में जब पत्रकारों ने कानून और संसदीय मंत्री जोगाराम पटेल से सवाल जवाब किया तो जोगाराम पटेल ने साफ कहा कि इस तरह के फर्जी कॉल और ईमेल देश से बाहर से आ रहे हैं इसलिए इस तरह के मामलों का ठीक तरह से निस्तारण नहीं हो पा रहा ।

आम आदमी पार्टी के तीन सांसद राघव चड्ढा, डॉक्टर अशोक मित्तल और संदीप पाठक भाजपा में हुए शामिल

क्रिकेटर से राजनेता बने हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह और राजेंद्र गुप्ता के भाजपा में शामिल होने की चर्चा

जयपुर टाइम्स

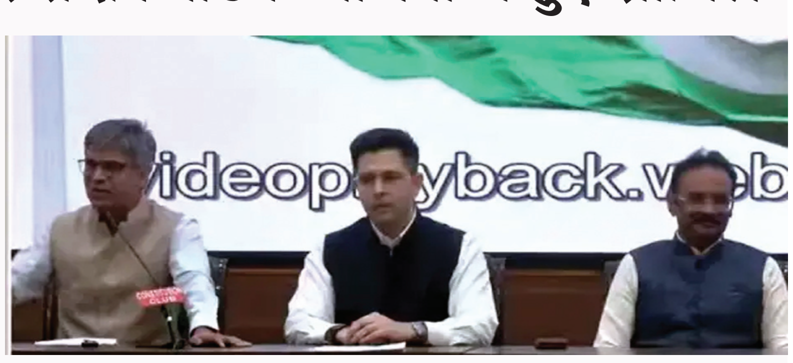

जयपुर(का.सं.)। आम आदमी पार्टी को शुक्रवार को जबरदस्त झटका उस समय लगा जब उनकी पार्टी के तीनसांसदों राघव चड्ढा, डॉ अशोक मित्तल और संदीप पाठक भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन की मौजूदगी में भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए हैं और भाजपा में शामिल होने के बाद सांसद संदीप पाठक ने पत्रकारों से बातचीत के दौरान बताया कि आम आदमी पार्टी के 10 सांसदों में 7 सांसदों ने भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने की घोषणा कर दी है हालांकि खबर लेकर जाने तक सांसद हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता और विक्रमजीत की ओर से हकीकत रूप से भाजपा में शामिल होने की घोषणा नहीं की गई थी लेकिन कहा जा रहा है कि यह सब सांसद सामूहिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने का प्लान बना रहे हैं इसलिए आम आदमी पार्टी के 10 में से 7 सांसद एक तरह से आम आदमी पार्टी को छोड़ चुके हैं और भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं राघव चड्ढा का भारतीय जनता पार्टी को ज्वाइन करना कोई चौंकाने वाला निर्णय नहीं लग रहा क्योंकि उनकी गतिविधियों से और उनके बयानों से यह पहले से ही दिख रहा था कि वह पार्टी छोड़ने वाले हैं लेकिन सांसद डॉक्टर अशोक मित्तल जो उद्योगपति भी हैं और पंजाब में एक यूनिवर्सिटी के कुलपति भी हैं इनका भाजपा को ज्वाइन करना अपने आप में चौंकाने वाला विषय जरूर दिख रहा है क्योंकि डॉक्टर अशोक मित्तल ने अपना बंगला उस समय अरविंद केजरीवाल को रहने के लिए ऑफर किया था जब केजरीवाल जेल से बाहर आए थे इसके बाद केजरीवाल ने पिछले दिनों राघव चड्ढा को राज्यसभा में पार्टी केउप नेता पर से हटाकर डॉक्टर अशोक मित्तल को ही पार्टी का उप नेता राज्यसभा में बनाया था लेकिन अब अशोक मित्तल ही आम आदमी पार्टी को छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए भाजपा में शामिल होने के बाद सांसद संदीप पाठक ने संवाददाता सम्मेलन में जानकारी दी की आम आदमी पार्टी के दो तिहाई सांसद आम आदमी पार्टी को छोड़ चुके हैं और वह अब सामूहिक रूप से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो रहे हैं पाठक के इस बयान के बाद निश्चित रूप से यह माना जा रहा है कि हरभजन सिंह, राजेंद्र गुप्ता, विक्रमजीत भी भाजपा में शामिल होने जा रहे हैं ।

बंगाल से दीदी जाने वाली है और भाजपा आने वाली है, पहले चरण में 152 सीटों में 110 सीटों पर जीतेगी बीजेपी : अमित शाह

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.सं.)। पश्चिम बंगाल में पहले चरण में हुए भारी मतदान को देखकर भारतीय जनता पार्टी के दिल्ली दरबार से जुड़े सभी बड़े नेता काफी खुश नजर आ रहे हैं भाजपा को लग रहा है कि यह प्रचंड बहुमत पश्चिम बंगाल में उनकी प्रचंड जीत को सुनिश्चित करेगा इसी क्रम में भाजपा के चाणक्य माने जाने वाले देश के गृहमंत्री अमित शाह ने भी साफ कहा है कि पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 16 जिलों में 152 सीटों पर 92.98 मतदान से साफ दिख रहा है कि पश्चिम बंगाल के लोगों ने अपने दिल और दिमाग से डर को भगा दिया है और उन्होंने निडर होकर भाजपा के पक्ष में प्रचंड मतदान किया है इसलिए 152 सीटों में भाजपा 110 सीटों पर दर्ज करने जा रही है, देश के गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह आंकड़ा उन्होंने अपने स्तर पर मतदान के बारे में जुटाए गए फीडबैक के आधार पर बताया है फीडबैक के आधार पर वह यह कह सकते हैं कि पश्चिम बंगाल की जनता ने पहले चरण में ही भारतीय जनता पार्टी को प्रचंड बहुमत देकर पश्चिम बंगाल में भाजपा

की प्रचंड सरकार बनाने का रास्ता साफ कर दिया है उन्होंने कहा कि पहले चरण के मतदान से साफ दिख रहा है कि पश्चिम बंगाल के लोग देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को कायम देखना चाहते हैं इसीलिए उन्होंने खुलकर मतदान किया और अब ऐसा लग रहा है कि पश्चिम बंगाल से दीदी जाने वाली है और वहां भाजपा आने वाली है पश्चिम बंगाल से डर जाने वाला है और वहां भरोसा आने वाला है उल्लेखनीय है कि इस बार भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल में अपनी सरकार बनाने के लिए काफी मेहनत और दौड़ धूप की इसके लिए व्यवस्थित तरीके से चुनावी मैनेजमेंट से लेकर उम्मीदवारों का चयन और पार्टी के प्रचार प्रसार में भी काफी मेहनत और दौड़ धूप की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी, कई केंद्रीय मंत्री, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भारतीय जनता पार्टी शासित राज्यों के सभी मुख्यमंत्री ने पश्चिम बंगाल में पहले चरण में जमकर पार्टी का प्रचार प्रचार किया था इसलिए वहां इस बार भारतीय जनता पार्टी का अच्छा माहौल जरूर देखने को मिला अब जिस तरह से वहां पर पहले ही चरण में प्रचंड बहुमत हुआ है उसके बाद हर कोई यह कह रहा है कि यह प्रचंड बहुमत कहीं ना कहीं भाजपा के अकाउंट में गया है इसलिए भारतीय जनता पार्टी के सभी बड़े नेता वहां पर भाजपा की सरकार बनने का दावा कर रहे हैं।

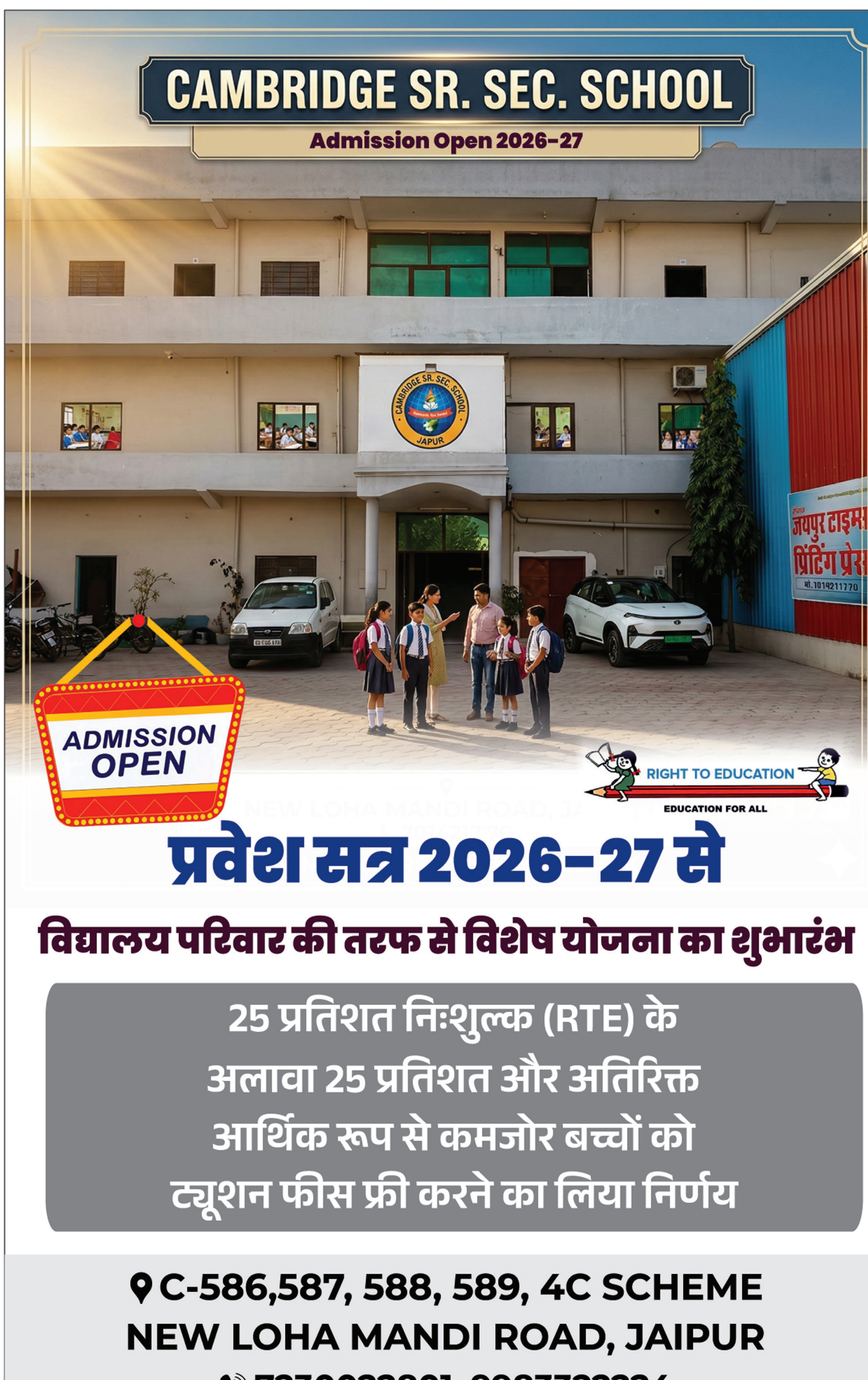

अलवर जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
25 अप्रेल, 2026

डॉ. विनोद कुमारी सांगवान बनीं जिलाध्यक्ष

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। आल इंडिया महिला कांग्रेस द्वारा राजस्थान प्रदेश महिला कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे को और मजबूत करते हुए खैरथल-तिजारा जिले के लिए बड़ा निर्णय लिया गया है। संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लांबा की स्वीकृति से जारी पांचवीं सूची में डॉ. विनोद कुमारी सांगवान को जिला अध्यक्ष, खैरथल-तिजारा नियुक्त किया गया है इस नियुक्ति के साथ ही क्षेत्र में महिला कांग्रेस संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। डॉ. सांगवान लंबे समय से सामाजिक एवं संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रही हैं और जमीनी स्तर पर उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है।

वन राज्यमंत्री शर्मा ने रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की कि हौंसला-अफजाई

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने संत निरंकारी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निरंकारी बाबा गुरुवचन सिंह जी महाराज के बलिदान दिवस 'मानव एकता दिवस' पर आयोजित रक्तदान शिविर में शिरकत कर रक्तवीरों की हौसला-अफजाई की। वन राज्यमंत्री शर्मा ने रक्तवीरों का उत्सावर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है जो जरूरत पडने पर व्यक्ति को जीवनदान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऐसे आयोजनों में निरन्तर बढती भूमिका विकसित राष्ट्र के निर्माण में सहायक सिद्ध हो रही है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा की भावना से आयोजित रक्तदान शिविर सराहनीय कदम है जिससे हमारी युवा पीढी को जीवमात्र की सेवा करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि समाज के सभी वर्गों को रक्तदान में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभानी चाहिए।

जिला कलक्टर ने जिले के समस्त विद्यालयों के लिए जारी किये आदेश

27 अप्रैल से सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित होंगी प्री-प्राइमरी से आठवीं तक की कक्षाएं

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मौसम विभाग ने आगामी दिनों में तापमान बढ़ने से गर्मी बढ़ने और लू (हीट वेव) चलने की संभावना जताई है, जिसे दृष्टिगत रखते हुए जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण डॉ. आर्तिका शुक्ला ने जिले के समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों की प्री-प्राइमरी से कक्षा 8 तक के संचालन समय में परिवर्तन किया है।
जिला कलक्टर ने आपदा प्रबंधन की धारा में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों की प्री-प्राइमरी से आठवीं तक की कक्षाएं 27 अप्रैल से ग्रीष्म अवकाश तक सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12 बजे तक संचालित करने के आदेश जारी किए हैं। वहीं समस्त राजकीय एवं गैर राजकीय विद्यालयों की कक्षा 9 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ का विद्यालय समय यथावत रहेगा। आदेशों की अवहेलना करने वाले राजकीय एवं निजी विद्यालयों के खिलाफ आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005 के प्रावधान के तहत नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

गैर मुमकिन रास्तों से अतिक्रमण हटाकर रास्ते किए चालू

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा।(निसं.) जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश के आदेशानुसार शुक्रवार को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही कि गई। प्रार्थी बोदन पुत्र भगवान सिंह अहीर, निवासी गुरगचका के आवेदन पर कार्रवाई करते हुए तहसीलदार हरसौली वीरेंद्र के निर्देशन में राजस्व टीम द्वारा कार्रवाई की गई। राजस्व टीम ने ग्राम गुरगचका के आराजी खसरा नंबर 417, 537, 594, 599, 721, 356 तथा ग्राम कादैया के खसरा नंबर 160 (किस्म: गैर मुमकिन रास्ता) पर किए गए अतिक्रमण को मौके पर चिन्हित किया। इसके बाद ग्राम पंचायत नांगल सालिया द्वारा उपलब्ध कराए गए संसाधनों—जेसीबी एवं ट्रैक्टर—की सहायता से बाधित रास्तों को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त कराया गया। कार्रवाई के बाद सभी रास्तों को पुनः सुचारू रूप से चालू कर दिया गया, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को राहत मिली। इस दौरान तहसीलदार हरसौली सहित हल्का पटवारी मोनू कुमार, पटवारी वीर सिंह, पटवारी सत्येंद्र सोनी, पटवारी हरीश, पटवारी सुमन गोदारा, पटवारी मनोज कुमारी एवं ग्राम गुरगचका के ग्रामीण मौजूद रहे।

डी-मार्ट भिवाड़ी में एयर स्ट्राइक पर मॉक ड्रिल का हुआ सफल आयोजन

घटनास्थल पर डॉक्टर द्वारा घायलों को दिया गया सीपीआर

जिला कलक्टर ने विभागों का त्वरित प्रदर्शन परखा, आवश्यक निर्देश दिए

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। डी-मार्ट भिवाड़ी में शुक्रवार को आपातकालीन मॉक ड्रिल का अभ्यास शाम 6.30 बजे किया गया। मॉकड्रिल के तहत एयर स्ट्राइक की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस, सिविल डिफेंस,चिकित्सा, अग्निशमन व अन्य संबंधित विभागों की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। प्रशासन व पुलिस द्वारा आपात स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की प्रतिक्रिया और समन्वय की जांच की गई।
सायरन की आवाज एवं कंट्रोल रूम में सूचना मिलने के साथ ही पुलिस, प्रशासन की गाड़ियां, एम्बूलेंस व फायर ब्रिगेड घटना स्थल की तरफ दौड़ पड़े। सायरनों की आवाज सुनकर हर कोई बचाव की मुद्रा में आ गया एवं डी मार्ट में आग लगने के बाद घायलों एवं प्रभावितों को बचाने के लिए जिला प्रशासन के सभी संबंधित विभाग सक्रिय हो गये।
यह मॉकड्रिल डी-मार्ट में एयर स्ट्राइक की आपातकालीन स्थिति में मौके पर राहत एवं बचाव कार्य, घायलों को त्वरित रूप से अस्पताल पहुंचाने, घायलों को सीपीआर और अस्पताल की आपातकालीन व्यवस्थाओं की तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से की गई। एयर स्ट्राइक के साथ मॉक ड्रिल की शुरुआत हुई, जिसके तत्काल बाद सायरन बजने लगे, जिला पुलिस कंट्रोल रूम को हवाई हमले की सूचना दी गई। पुलिस, चिकित्सा, सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। तत्काल प्रभाव से एम्बुलेंस और पुलिस की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। मॉक ड्रिल में घायल हुए लोगों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया। मौके पर पहुॅची फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा आग बुझाने की कार्यवाही को अंजाम दिया गया।
एयर स्ट्राइक की सूचना मिलते ही जिला कलक्टर अतुल प्रकाश ने मौके पर पहुॅचकर बचाव एवं राहत कार्यों का जायजा लेकर टीम की सक्रियता को परखा। पुलिस टीम ने मोर्चा संभालकर परिस्थिति को नियंत्रण में लिया। एएसपी अतुल साहू के नेतृत्व में पुलिस जाप्ता द्वारा आसपास जमा भीड को हटाते हुये संभावित हमले से बचाव के लिये एसओपी की पालना के निर्देश दिये गए। अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र, उपखंड अधिकारी लाखन सिंह गुर्जर, आयुक्त नगर परिषद मुकेश शर्मा ने बचाव राहत कार्यों की टीम के साथ समन्वय का कार्य किया। अस्पताल पहुंचने पर, घायलों को तुरंत सुरक्षित क्षेत्र में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों और नर्सों की टीम ने उनकी प्राथमिक जांच की और उन्हें उनकी चोटों की गंभीरता के अनुसार विभिन्न वार्डों में भेजा गया। इस दौरान पीएमओ सागर अरोड़ा के नेतृत्व में अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में तेजी और समन्वय देखा गया। डॉक्टरों ने मॉकड्रिल में घायल हुए लोगों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की। एयर स्ट्राइक मॉल ड्रिल के दौरान लगभग 45 कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया तथा 13 घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जिनमें से 6 क्रिटिकल कंडीशन वाले घायलों को तुरंत अस्पताल रेफर किया गया तथा अन्य को फर्स्ट एड देकर अस्पताल में भर्ती किया गया। मॉक ड्रिल के अंत में जिला कलक्टर ने कहा कि यह मॉकड्रिल आपदा प्रबंधन की तैयारियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने अस्पताल प्रशासन और सभी संबंधित विभागों के समन्वय और तत्परता की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की मॉकड्रिल से किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटने की हमारी क्षमता बढ़ती है। यह मॉक ड्रिल जिला प्रशासन एंव पुलिस के आपदा प्रबंधन की तैयारियों को दर्शाती है और यह संदेश देती है कि किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए सभी विभाग पूरी तरह से सतर्क और तैयार हैं। हर मॉक ड्रिल हमारी टीम को आदर्श समय सीमा तक पहुंचने में सहायक है आगामी समय में भी इस प्रकार से मॉक ड्रिल कराई जाती रहेगी, ताकि आपात स्थिति से तत्परता से निपटा जा सके।
मॉक ड्रिल के दौरान अतिरिक्त जिला कलेक्टर सुमित्रा मिश्र, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अतुल साहू, उपखंड अधिकारी लाखन सिंह गुर्जर, डीएसपी सहित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे ।

एडीएम शहर ने किया शिशु व महिला चिकित्सालय का निरीक्षण

गर्मी के मौसम में सभी व्यवस्थाओं को चाक-चौबंद रखने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर के निर्देशन पर अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर बीना महावर ने राजकीय गीतानन्द शिशु चिकित्सा एवं महिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। एडीएम शहर महावर ने दोनों चिकित्सालय के वार्डों, दवा वितरण केंद्र, आईसीयू, शौचालय, पेयजल, भोजन, कूलर, पंखे आदि व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर चिकित्सालय प्रभारी को निर्देशित किया कि चिकित्सालय में आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हो, इसके लिए चिकित्सालय की सभी व्यवस्थाएं पुख्ता रखने के साथ-साथ दवा, उपकरण आदि की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करें। उन्होंने शिशु चिकित्सालय के पीएनबी वार्ड का निरीक्षण किया। इस दौरान कूलर चालू मिले लेकिन उनकी की कार्य क्षमता कम होने पर पीएमओ को निर्देश दिये कि कूलर में नए पम्प आदि चेंज करावे तथा इनमें नियमित रूप से पानी डाला जावे, जिससे मरीजों को गर्मी के मौसम में किसी प्रकार की असुविधा नहीं होवे। इसके उपरान्त उन्होंने पीडीए वार्ड का निरीक्षण किया, जहां एसी कम कूलिंग करते पाए गए, जिस पर उन्होंने एसी, पंखे मरम्मत के लिए चिकित्सालय में लगाए गए संवेदक को मौके पर बुलाकर सभी एसी, पखों व कूलरों की मरम्मत, सर्विस आदि कार्य यथाशीघ्र कराने के निर्देश दिये। इसके उपरान्त उन्होंने बच्चों के लिए 10 बैड की अतिरिक्त की गई व्यवस्था का जायजा लिया। पीएमओ डॉ. प्रवीण शर्मा ने बताया कि बच्चों के लिए अतिरिक्त बैड की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए एसएलआर वार्ड को खाली कक्ष में शिफ्ट कराया गया और इस वार्ड में शिशुओं के लिए 10 अतिरिक्त बैड लगवाए गए हैं। इस पर एडीएम शहर ने निर्देश दिये कि वार्ड में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित की जाए। उन्होंने चिकित्सालय के अंदर शौचालय, वाटर कूलर, पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान सभी व्यवस्थाएं पुख्ता मिली। उन्होंने निर्देश दिये कि ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर मरीजों एवं आमजन के लिए शीतल जल की भी व्यवस्था सुनिश्चित की जावे। उन्होंने निर्देश दिये कि वार्ड, शौचालय व चिकित्सालय परिसर की साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जावे। उन्होंने महिला चिकित्सालय में नगर निगम द्वारा बनाए गए पिंक टॉयलेट का निरीक्षण कर नगर निगम आयुक्त को दूरभाष से पिंक टॉयलेट में नियमित व सुचारु पानी की व्यवस्था करने, साफ -सफाई नियमित कराने तथा आउटर डिस्पोजल आदि व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। इस दौरान पीएमओ डॉ. प्रवीण शर्मा, चिकित्सालय प्रभारी डॉ. टेकचंद सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एचपीवी वैक्सीनेशन विशेष अभियान शुरू, किशोरियों को मिलेगा सवाईकल कैंसर से बचाव

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिले में किशोरियों को सवाईकल कैंसर से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से एचपीवी वैक्सीनेशन का निःशुल्क विशेष अभियान शुक्रवार से शुरू हो गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. योगेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि 14-15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए यह अभियान एक महत्वपूर्ण पहल है।
उन्होंने बताया कि जिले के उप जिला अस्पताल, सैटेलाइट अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर नजदीकी स्तर पर टीकाकरण की व्यवस्था की गई है। यह टीका पूर्णतः सुरक्षित एवं प्रभावी है, जो भविष्य में सवाईकल कैंसर की संभावना को कम करता है। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मंजु शर्मा ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली गई हैं। प्रत्येक वैक्सीनेशन साइट पर चिकित्सा अधिकारी की देखरेख में कोल्डचेन प्वाइंट एवं एईएफआई किट की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है, जिससे टीकाकरण प्रक्रिया सुचारू रूप से संचालित हो सके। उन्होंने बताया कि सभी ब्लॉक मुख्य चिकित्सा अधिकारियों एवं चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वैक्सीनेशन स्थलों पर बैठने, पेयजल एवं साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था रहे। साथ ही आंगनबाड़ी केन्द्रों, विद्यालयों एवं समुदाय स्तर पर व्यापक जागरूकता गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। अभियान के तहत अभिभावकों एवं छात्राओं को एचपीवी वैक्सीनेशन के प्रति जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इस दौरान डॉ. मंजु शर्मा ने शिवाजी पार्क, काला कुआं सहित विभिन्न वैक्सीनेशन स्थलों का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं, ब्लॉक स्तर पर भी चिकित्सा अधिकारियों एवं अन्य कार्मिकों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग कर अभियान को सफल बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्तमान राजनीति में आदर्श स्थापित करने की महती आवश्यकता- नेता प्रतिपक्ष जूली

नवदशकोत्सव 'के तहत भारत नेपाल के प्रतिनिधियों का राजयोग शिविर

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। आबूरोड। परमात्मा के घर में वही आता है जिस पर परमात्मा की विशेष कृपा होती है। मैं राजनीति में लाभ के लिए नहीं बल्कि समाज सेवा के लिए आया हूं। वर्तमान राजनीति में आदर्श स्थापित करने की महती आवश्यकता है। उक्त उदगार राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने व्यक्त किए। जूली ने यह विचार ब्रह्माकुमारीज संस्थान के अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय आबू रोड स्थित शांतिवन के आनन्द सरोवर में व्यक्त किए। जूली 'नवदशकोत्सव 'के तहत आयोजित राजयोग शिविर मे भारत नेपाल से आये प्रतिभागियों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही राजनीति का मकसद होना चाहिए। परन्तु लोभ लालच के भाव से राजनेताओं से लोगों का विश्वास उठ रहा है। लोग राजनीति को अच्छी दृष्टि से नहीं देखते है। ऐसे में जरुरत है कि राजनीति में आदर्श मूल्यों को स्थापित करने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज संस्थान के महासचिव बीके करुणा, विधायक मोतीराम कोली, अतिरिक्त महासचिव बी के मृत्युंजय, ब्रह्माकुमारीज राजस्थान सबजोन प्रभारी बी.के पूनम, प्रदेश कांग्रेस महासचिव हरीश चौधरी, पीसीसी सचिव संजीव बारेठ, कांग्रेस जिलाध्यक्ष लीलाराम गरासिया, कांग्रेस जिला प्रभारी अंजना मेघवाल, उप प्रधान ललित सांखला, तपस्या बारेठ, ब्रह्माकुमारीज के सचिव बीके ललित, बीके कोमल, बीके उपेन्द्र, बीके राजू सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अजयराजपुरा में कबाड़ी गोदाम में भीषण आग

जयपुर टाइम्स

सांगानेर(निस)। बगरू विधानसभा क्षेत्र के अजयराजपुरा इलाके में शुक्रवार को एक कबाड़ी के गोदाम में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते गोदाम में रखा कबाड़ धू-धू कर जलने लगा। जानकारी के अनुसार यह गोदाम फ्लिपकार्ट कंपनी के सामने स्थित है। आग लगने के बाद आसपास के लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। स्थानीय लोगों के अनुसार आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही देर में पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। गोदाम में रखा लाखों रुपए का कबाड़ जलकर राख हो गया। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इधर, पुलिस भी मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है और आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

नालसा मानव वन्य जीव संघर्ष के पीड़ितों के लिए न्याय हेतु लगाया विधिक जागरूकता शिविर, दी अपने अधिकारों की जानकारी

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनंत भंडारी के निर्देशानुसार एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोहनलाल सोनी के आदेशानुसार शुक्रवार को विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें पी एल वी रेखा महलावत सबसे पहले उस क्षेत्र के वन अधिकारियों से भी मिली और आस पास के गांवों का पता किया तथा वहां के निवासी, जीव जंतुओं के बारे में जाना। पी एल वी ने जानकारी प्राप्त कर पास के लालपुरा गांव पहुंच नालसा मानव वन्य जीव संघर्ष (एच डब्ल्यू सी) के पीड़ितों के लिए न्याय हेतु विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। उन्होंने सबसे पहले ग्रामीणों को समझाया कि मानव-वन्यजीव संघर्ष होता क्या है। जब मनुष्य और जंगली जानवर एक ही क्षेत्र में संसाधनों—जैसे जमीन, पानी और भोजन—के लिए आमने-सामने आते हैं, तो टकराव की स्थिति बनती है। उदाहरण के रूप में, खेतों में जंगली जानवरों द्वारा फसल को नुकसान पहुंचाना, पशुओं पर हमला करना या कभी-कभी मनुष्यों पर हमला करना—ये सभी मानव-वन्यजीव संघर्ष के उदाहरण हैं। अब बात करते हैं एच डब्ल्यू सी 2025की एक प्रकार का लक्ष्य और पहल है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2025 तक मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को कम करना, पीड़ितों को त्वरित सहायता देना और मानव तथा वन्यजीवों के बीच संतुलन बनाना है। इसमें सरकार और विभिन्न संस्थाएँ मिलकर जागरूकता, सुरक्षा उपाय और मुआवजा व्यवस्था को मजबूत करने का प्रयास करती हैं। ऐसे संघर्ष की स्थिति में हमें अपने कानूनी अधिकारों की जानकारी होना बहुत जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण कानून है: वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 : यह कानून वन्यजीवों की रक्षा करता है, लेकिन साथ ही यह भी सुनिश्चित करता है कि यदि किसी व्यक्ति को नुकसान होता है, तो उसे सरकार से सहायता और मुआवजा मिले। अब बात करते हैं पीड़ितों के अधिकारों की यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु, चोट, या संपत्ति का नुकसान होता है, तो उसे मुआवजा पाने का अधिकार है। घायल व्यक्ति को तुरंत चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कदम उठाए। यदि ऐसी कोई घटना होती है, तो हमें क्या करना चाहिए? बताया कि हमें रेस्क्यू टीम के लिए 1926 पर कॉल करना चाहिए। सबसे पहले, तुरंत वन विभाग या पुलिस को सूचना दें। घटना के फोटो या वीडियो जैसे प्रमाण इकट्ठा करें। पंचनामा बनवाएं और मुआवजा के लिए आवेदन करें। केवल अधिकार जानना ही काफी नहीं है, बल्कि हमें बचाव के उपाय भी अपनाने चाहिए जंगल के पास रात में अकेले न जाएं, खेतों में बाड़ या सोलर फेंसिंग लगाएं, कचरा खुले में न डालें, गांव में सामूहिक निगरानी रखें, अंत में उन्होंने कहा कि मानव और वन्यजीव दोनों इस धरती के महत्वपूर्ण हिस्से हैं। हमें ऐसा संतुलन बनाना होगा जिससे दोनों सुरक्षित रह सकें। जागरूकता ही सबसे बड़ा हथियार है। अगर हम अपने अधिकारों और कर्तव्यों को समझेंगे, तो हम इस समस्या का बेहतर समाधान निकाल सकते हैं। साथ में विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के हेल्प लाइन ड्डथ 8306002102 एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के टॉल फ्री no 15100 ke bare me जानकारी दी गई।

देश के करोड़ों युवाओं की आइकॉन आईपीएस 'रंजीता शर्मा'

आईपीएस में चयन होने से पहले और आईपीएस में चयन होने के बाद जिनकी कड़े संघर्ष, धैर्य और संयम की अद्भुत गाथा को पढ़कर देश के युवा हो रहे मोटिवेट, जिनकी संघर्षमय गाथा को सुनकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हुए काफी प्रभावित, जिन्होंने स्वोर्ड आफ ऑनर का सम्मान पाकर इंडियन पुलिस में रच दिया नया इतिहास

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। 'एक ही दिन में क्या पढ़ लोगे मुझे, मैंने खुद को लिखने में कई साल लगा दिए ।' या फिर यूं कहीं 'वहां तूफान भी हार जाते हैं, जहां कश्तियां जिद पे हो । जी हां बिल्कुल यह दोनों खूबसूरत पंक्तियां वर्ष 2019 बैच की उस महिला आईपीएस अफसर पर चरितार्थ होती हैं जिन्होंने देश के इस सबसे बड़े हाई प्रोफाइल सर्विस वाले एग्जाम में वर्ष 2018 में चयन होने से पहले एक बार नहीं बल्कि लगातार हर साल पांच बार इस परीक्षा में शामिल हुई लेकिन इन्हें मंजिल नहीं मिली, लगातार पांच बार असफलता का स्वाद चखने के बाद भी इन्होंने अपना धैर्य, संयम और दिमाग को बिल्कुल कूल और संयमित रखा, विफलताओं को कड़ी चुनौती के रूप में स्वीकार कर दुगने उत्साह और जोश के साथ कठिन मेहनत और कड़ी स्टडी करते हुए छठी बार लगातार इस महत्वपूर्ण परीक्षा में बैठी इस बार संयमित और धैर्यवान इस महिला परीक्षार्थी को देखकर नीली छतरी वाले को भी बैक फुट का होना ही पड़ा और इस बार परीक्षा में 130वीं रैंक हासिल करके इंडियन पुलिस के बेड़े में शामिल हो गई और फिर अपनी आईपीएस की ट्रेनिंग पीरियड में ही स्वोर्ड ऑफ़ ऑनर का सम्मान हासिल करके इंडियन पुलिस में एक नया इतिहास रच डाला। अब आप बिल्कुल समझ गए होंगे कि यहां पर चर्चा हो रही है वर्तमान में जयपुर डीसीपी ईस्ट पद पर कार्यरत रंजीता शर्मा की, यह हरियाणा की लाडली आज हरियाणा की ही नहीं बल्कि पूरे देश की लाडली बनी हुई है। क्योंकि आईपीएस बनने के इस सफर में इन्होंने जो बड़ी-बड़ी चुनौतियां और बड़ी-बड़ी विफलताओं का सामना किया और अपने खुद के आत्मविश्वास को बिल्कुल भी कमजोर नहीं होने दिया, लगातार पांच बार असफल होने के बावजूद भी लगातार परीक्षा में नए जोश और नए उमंग के साथ बैठी रही वह भी एक महिला होने के नाते इसको साधारण नहीं माना जा सकता क्योंकि अक्सर देखने में आता है कि इस तरह के बड़े एग्जाम में कोई लगातार दो बार या तीन बार बैठकर भी मंजिल नहीं पता है तो फिर वह हताश होकर अपना रास्ता बदल लेता है । लेकिन यहां रंजीता शर्मा पांच बार असफल होने के बावजूद भी लगातार छठी बार परीक्षा में बैठकर सफलता का स्वाद चखा । इसीलिए तो आज देश के करोड़ों युवा जो विभिन्न हाई प्रोफाइल एग्जाम की तैयारी में व्यस्त हैं वे सब रंजीता शर्मा की इस कठिन संघर्ष यात्रा को पढ़कर और देखकर खुद को मोटिवेट कर रहे हैं, बड़ी बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस बहादुर और धैर्यवान महिला आईपीएस की संघर्ष गाथा को देखकर काफी प्रभावित हुए ।

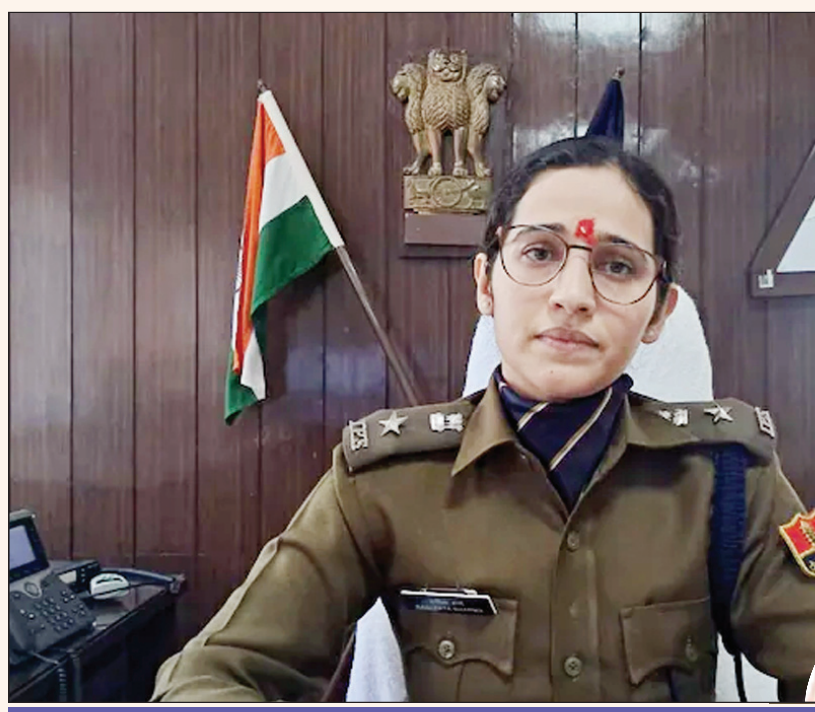

आईपीएस की कठिन और कड़ी ट्रेनिंग में ही हरियाणा की माटी की ताकत का करवा दिया था एहसास

हरियाणा के लोग कद काठी के मामले में पूरे देश में काफी मजबूत माने जाते हैं इसलिए कुश्ती के दंगल में सालों से हरियाणा का भारत वर्ष में ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में प्रभाव रहा है। इसका एहसास रंजीता शर्मा ने भी उस दिन पूरे भारतवर्ष को करवा दिया जब इन्होंने हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में स्वोर्ड ऑफ़ ऑनर का सम्मान पाया। यह कोई मामूली अवार्ड नहीं था अवार्ड आईपीएस की ट्रेनिंग में घुड़सवारी, तलवारबाजी, 20 किलो वजन को साथ लेकर 40 किलोमीटर तक दौड़ लगाना, मार्शल आर्ट, स्विमिंग इत्यादि खतरनाक प्रतियोगिताओं में सबसे ज्यादा नंबर लाने वाले ट्रेनर आईपीएस अधिकारी को दिया जाता है। जिसमें अब तक पुरुष आईपीएस को ही यह सम्मान मिला था, अब तक महिला ट्रेनर आईपीएस ऑफिसर इस सम्मान को हासिल नहीं कर पाई थी लेकिन हरियाणा के रेवाड़ी के दाहिना गांव की रहने वाली रंजीता शर्मा ने करीब डेढ़ सौ प्रशिक्षण लेने वाले आईपीएस को पछाड़कर यह सबसे बड़ा सम्मान हासिल किया था। इन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 50 ट्राफियां थी जिसमें आठ ट्रॉफी अकेली हरियाणा की लाडली महिला आईपीएस में हासिल की जो अपने आप में एक बहुत बड़ी उपलब्धि भी मानी जा सकती है और इस बहादुर महिला आईपीएस अफसर में अपने ट्रेनिंग पीरियड में ही यह सम्मान हासिल करके साफ संदेश दे दिया था कि जहां भी जाएगी वहां बदमाशों के छक्के छुड़ा देंगी और अपने संयमित, धैर्य और अनुशासित रहने की कला से पुलिस और पब्लिक के बीच गहरी दोस्ती कायम करने की दिशा में भी प्रभावी कार्य करके पुलिस का गौरव बढ़ाएंगी जिसमें काफी हद तक यह महिला ऑफिसर कामयाब भी हुई है अब तक कोटपूतली बहरोड, दोसा जैसे संवेदनशील जिलों में पुलिस अधीक्षक पद पर रहने के दौरान इन्होंने अपराधों पर अंकुश लगाने, पुलिस स्टेशन की कार्यप्रणाली को और प्रभावी तथा मजबूत बनाने तथा पुलिस और पब्लिक के बीच अच्छे रिश्ते कायम करने जैसे विषयों पर बहुत ही शानदार कार्य करके दिखाया है इसीलिए प्रदेश की भजनलाल सरकार ने इनके छोटे से कार्यकाल की बड़ी-बड़ी उपलब्धियां को देखते हुए जयपुर शहर ईस्ट जैसे संवेदनशील जिले की कमान इनके हाथ में दी है ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टिप्स और सुझाव अपनी दैनिक दिनचर्या में किए हुए हैं शामिल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वह हमेशा टैलेंटेड लोगों का काफी सम्मान करते हैं । खासतौर से प्रतिभाशाली युवाओं को हमेशा मोटिवेट करने के साथ-साथ उन्हें अच्छे से अच्छा करने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। पीएम मोदी ने जब रंजीता शर्मा के जीवन की संघर्ष गाथा और स्वोर्ड ऑफ़ ऑनर हासिल करने से काफी खुश और प्रभावित हुए थे। उन्होंने खुद इस दबंग महिला आईपीएस से अपने संवाद के दौरान इनसे इनकी परीक्षा की तैयारी, विफलताओं का दौर, आगामी योजनाओं, पत्रकारिता छोड़कर पुलिस ज्वाइन करने की वजह जैसे कई विषयों पर सवाल जवाब किए थे । इन सवालों का बहुत ही प्रभावी तरीके से रंजीता शर्मा ने जवाब भी दिए और यह भी बताया कि पब्लिक रिलेशन ऑफिसर के पद पर 9 साल कार्य करने के दौरान इन्हें पूरी तरह से आत्म संतुष्टि नहीं मिल रही थी, समाज के लोगों को तुरंत राहत पहुंचाना और समाज के लोगों की ज्यादा से ज्यादा क्षेत्र में सेवा करना उनकी ज्यादा से ज्यादा भलाई करना इस तरह की बातें हमेशा इन्हें विचलित भी कर रही थी और आईएएस परिक्षा देने के लिए प्रेरित भी कर रही थी इसलिए कॉर्पोरेट क्षेत्र में अच्छी सैलरी मिलने के बावजूद भी रंजीता शर्मा ने नौकरी छोड़कर भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में बैठने का निश्चय किया। ताकि ज्यादा से ज्यादा क्षेत्र में समाज के लिए काम कर सकें। रंजीता शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह भी बताया कि निजी क्षेत्र में कार्य करने के दौरान काम का दायरा काफी लिमिट का था और वह बड़े पैमाने पर समाज की सेवा करना चाहती थी। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सलाह दी कि वे अपने व्यस्त दैनिक दिनचर्या में सप्ताह में एक बार 1 घंटे के लिए किसी गर्ल्स स्कूल और कॉलेज में जाकर छात्राओं से गपशप करें ,बातचीत करें, जिससे छात्रों के आत्म संबल को मजबूती मिलेगी और उन्हें देखकर उनके मन में भी उनके जैसे एक सफल इंसान बनने की प्रेरणा जागृत होगी क्योंकि पीएम मोदी भी यह जानते हैं कि सोशल मीडिया के जमाने में रंजीता शर्मा की जीवनी और उपलब्धियां के वीडियो इंटरनेट पर छाए हुए हैं ऐसे में अगर रंजीता शर्मा खुद स्कूल और कॉलेज में जाकर छात्रों के समक्ष लेक्चर देंगे तो निश्चित रूप से छात्राएं काफी मोटिवेट होगी और हताशा के क्षणों में भी हताश नहीं होंगी। इसीलिए उन्होंने यह महत्वपूर्ण सुझाव इस दबंग महिला ऑफिसर को दिया इसके अलावा पीएम मोदी को यह भी पता था कि रंजीता शर्मा की दैनिक दिनचर्या में योग भी हिस्सा है जिसकी वजह से यह महिला ऑफिसर खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत रखे हुए हैं इसलिए उन्होंने योग के प्रचार प्रचार के लिए भी युवाओं को छात्र-छात्राओं के मोटिवेट करने के लिए आग्रह किया, पीएम मोदी के सुझाव और टिप्स पर रंजीता शर्मा प्रभावी तरीके से काम भी कर रही हैं राजस्थान में अब तक जहां-जहां भी फील्ड पोस्टिंग मिली है वहां इन्होंने स्कूल और कॉलेज की छात्र-छात्राओं को मोटिवेट करने का कार्यक्रम भी किया ।

महिला अपराधों को लेकर काफी गंभीर और सख्त, अपने बेस्ट सुपरविजन से गर्भवती महिला को छेड़ने वाले बदमाश को मध्य प्रदेश में जाकर दबोचा

राजधानी जयपुर का जयपुर ईस्ट क्षेत्र सबसे ज्यादा संवेदनशील और सांगानेर एयरपोर्ट होने की वजह से अति विशिष्ट क्षेत्र मूवमेंट वाला इलाका माना जाता है। राजधानी होने की वजह से रोजाना देश और दुनिया के बड़े-बड़े राजनेताओं, राष्ट्रपति प्रधानमंत्री,केंद्रीय मंत्रियों,मुख्यमंत्री, राज्यपाल जैसे विशिष्ट लोगों के आने-जाने का सिलसिला भी बना रहता है तो दूसरी तरफ फिल्म, खेल उद्योग इत्यादि क्षेत्रों के पॉपुलर हस्तियों के भी आने-जाने का सिलसिला बना रहता है। इसलिए कानून व्यवस्था और सुरक्षा के लिहाज से यह इलाका हमेशा पुलिस के लिए बड़ी चुनौती रहा है। इलाके में जमीन जायदाद का कारोबार, बड़े-बड़े मॉल, बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थान, औद्योगिक क्षेत्र इत्यादि के होने से अपराध जगत से जुड़े लोगों की गतिविधियां जयपुर में अन्य इलाकों से यहां ज्यादा देखने को मिलती है इसीलिए चोरी,हत्या डकैती, हफ्ता वसूली जैसी गतिविधियां यहां ज्यादा देखने को मिलती है इसलिए इस इलाके में पुलिस को ज्यादा ही अलर्ट रहना पड़ता है। वैसे अगर देखा जाए तो जब से रंजीता शर्मा ने यहां डीसीपी पद की जिम्मेदारी संभाली है तब से ही संगठित अपराध ग्रुप से जुड़े लोगों की गतिविधियों पर अंकुश लगा है, ड्यूटी ज्वाइन करने के तुरंत बाद ही रंजीता शर्मा ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों, थाना अधिकारियों तथा अन्य स्टाफ को आपसी बेहतर समन्वय और सामंजस्य के माध्यम से अपराध जगत से जुड़े लोगों की गतिविधियों पर निरंतर निगरानी रखने और हर थाना इलाके में बीट व्यवस्था को और भी प्रभावित तरीके से लागू करने की दिशा में क्षेत्र के लोगों के साथ निरंतर संवाद करने जैसे विषयों पर ज्यादा फोकस रखने की बात कही थी । इसके अलावा आदतन अपराधियों और उनके संपर्क सूत्रों की गतिविधियों पर भी पुलिस स्टेशन स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने की बात कही थी। इस पूरी व्यवस्था पर नियमित रूप से रंजीता शर्मा खुद कड़ी निगरानी रखती हैं और नियमित रूप से प्रत्येक पुलिस स्टेशन की गतिविधियों का अपडेट लेते रहती हैं। समय-समय पर पुलिस स्टेशन का मौके पर जाकर निरीक्षण भी करती हैं तथा अपने कार्यालय में समय पर आना और पीड़ित लोगों की समस्याओं को सुनकर संबंधित पुलिस स्टेशन को पीड़ित की शिकायत का समाधान करने के निर्देश देती हैं, इनकी इस वर्किंग स्टाइल और अच्छे व्यवहार की वजह से ही इनके दफ्तर में बड़ी संख्या में पीड़ित अपनी शिकायत लेकर भी पहुंच रहे हैं। इस तरह से अपनी प्रभावी कार्यशैली और अपने प्रभावी सुपरविजन से वर्तमान में जयपुर ईस्ट क्षेत्र में पिछले कुछ महीनो में अपराध की कोई बड़ी वारदात देखने को नहीं मिली । एक वारदात जरूर हुई थी जिसमें एक गर्भवती महिला से छेड़छाड़ करके मध्य प्रदेश का एक बदमाश फरार हो गया था लेकिन इस मामले में भी रंजीता शर्मा ने अपने बेस्ट सुपरविजन के माध्यम से इस बदमाश को मध्य प्रदेश में जाकर आखिरकार पकड़ ही लिया था। यह मामला मीडिया की सुर्खियों में था और काफी हाई प्रोफाइल मामला बन गया था लेकिन अपराधी को ढूंढने में और उसकी पहचान करने में जयपुर ईस्ट पुलिस ने बहुत जल्दी ही सफलता हासिल कर ली । इसके अलावा नाबालिक लड़कियों और बच्चों के लापता होने के मामलों को भी रंजीता शर्मा हमेशा काफी गंभीरता से लेती हैं और इस तरह के मामलों में भी पुलिस ने बहुत अच्छा काम करके दिखाया बताया गया है कि महिला अपराधों को लेकर रंजीता शर्मा काफी अलर्ट और सख्त हैं इसलिए इलाके में मनचले लड़कों की गतिविधियों पर भी पूर्ण रूप से विराम लग गया है ।

दोस्तों में कोई अच्छी नौकरी कर रहा था कोई अपना घर बसा रहा था और रंजीता शर्मा अच्छी खासी नौकरी छोड़कर किताबों से लड़ती रही जंग

: एक इंटरव्यू के दौरान रंजीता शर्मा ने बताया था कि भारतीय प्रशासनिक सेवा भर्ती परीक्षा के दौरान जब उन्हें बार-बार असफलता का सामना करना पड़ रहा था उस समय उनके कई दोस्त अच्छी सैलरी पर नौकरियां कर रहे थे कई दोस्त शादियां भी कर रहे थे इसलिए अपने दोस्तों को देखकर उनका मन भी कई बार विचलित हुआ था लेकिन मन में व्यापक स्तर पर समाज की सेवा करने का एक संकल्प खून की एक-एक बूंद में समा गया था इसलिए हर बार कड़ी मेहनत और अच्छी तैयारी करने के बावजूद भी जब उन्हें एग्जाम में सफलता नहीं मिली तब भी उन्होंने अपने कॉन्फिडेंस को कम नहीं होने दिया और धैर्य संयम और हौसला रखते हुए नेक्स्ट चांस में और भी कड़ी मेहनत करके परीक्षा में बैठने का निश्चय करती रही जिसमें उन्हें 2018 के परीक्षा में आखिरकार सफलता मिल ही गई, इससे पहले वर्ष 2013, 2015 और 2017 कि भारतीय प्रशासनिक सेवा परीक्षा में रंजीता शर्मा प्री एग्जाम भी पास नहीं कर पाई थी जबकि 2014 और 2016 के एग्जाम में वे इंटरव्यू तक पहुंची लेकिन इंटरव्यू में सफल नहीं हो पाई । बाद में 2018 की परीक्षा में उन्होंने 130वीं रैंक हासिल करके आखिरकार अपनी मंजिल को हासिल कर ही लिया, इस मंजिल तक पहुंचने में रंजीता शर्मा का अपना खुद का कॉन्फिडेंस बनाए रखना और कड़ी मेहनत से एग्जाम की तैयारी करना तो काफी सहायक साबित हुआ ही इसके अलावा इनके माता-पिता और दोस्तों ने भी इन्हें काफी मोटिवेट किया। इनका पारिवारिक बैकग्राउंड भी आर्थिक रूप से मजबूत था इसलिए आर्थिक तंगी जैसे कोई हालत तो इनके सामने नहीं थे लेकिन पांच बार लगातार देश के सबसे बड़े हाई प्रोफाइल एग्जाम में बैठना और फिर कड़ी मेहनत के बाद भी सिलेक्शन नहीं होना बड़े से बड़े चट्टान जैसे मजबूत दिल रखने वाले इंसान को भी तोड़ देता है लेकिन महिला होने के बावजूद भी रंजीता शर्मा अपने विजन और संकल्प को हासिल करने के लिए अपने उन दोस्तों को नहीं देख रही थी जो अच्छी सैलरी पर नौकरी कर रहे थे और जो शादियां कर रहे थे उनकी निगाहें और उनका टारगेट सिर्फ आईएएस एग्जाम को सफलतापूर्वक फाइट करना ही रहा जिसमें आखिरकार उन्हें सफलता मिली ।वैसे रंजीता शर्मा ने दिल्ली के एक हाई प्रोफाइल शैक्षणिक संस्थान से पत्रकारिता का डिप्लोमा किया हुआ था जिसकी वजह से करीब 9 साल तक कॉर्पोरेट क्षेत्र में अच्छी सैलरी पर इन्होंने नौकरी भी की । जिसकी वजह से चाहती तो आराम से बहुत ही मजे से शानदार तरीके से अपना जीवन जी सकती थी लेकिन ज्यादा से ज्यादा क्षेत्र में समाज के लिए काम करने की चाहत ने इन्हें आईएएस एग्जाम देने के लिए प्रेरित किया ।

कड़क मिजाज और कोमल दिल का अद्भुत संगम है रंजीता शर्मा

एक सभ्य और संपन्न परिवार में जन्म लेने वाली रंजीता शर्मा की इस ग्रेट पर्सनालिटी में इनके माता-पिता और अन्य परिजनों से मिले संस्कारों का बड़ा हाथ है। बचपन से ही घर में अच्छे संस्कार मिले इसलिए ईमानदारी, नैतिक आचरण, संयमित और अनुशासित जीवन, मजबूत आत्मसंबल जैसे लक्षण बचपन से ही उनके दिल और दिमाग में समा गए, इनके माता-पिता ने इन्हें बेटी होने का एहसास बिल्कुल नहीं होने दिया और बेटों से भी ज्यादा फ्री हैंड देकर इन्हें इनके बेस्ट करियर के लिए हमेशा प्रेरित करते रहे। इसी का परिणाम रहा की जब इन्होंने आईएएस एग्जाम फाइट करने के लिए अपनी अच्छी सैलरी की नौकरी छोड़ी तब भी इनके माता-पिता ने इन्हें कुछ भी नहीं कहा और इन्हें अपने दिल और दिमाग के अनुसार काम करने की पूरी आजादी दी। बाद में जब लगातार पांच बार आईएएस परीक्षा में सफलता नहीं मिली तब भी इनके माता-पिता इन्हें लगातार प्रोत्साहित और प्रेरित करते रहे जिसकी वजह से कठिन तपस्या और कठिन मेहनत से रंजीताशर्मा लगातार शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होती रही जो बाद में आईपीएस की ट्रेनिंग पीरियड में भी काफी सहायक साबित हुआ। इस तरह से यह महिला अधिकारी जितनी कड़क दिखती हैं उतनी ही अंदर से काफी कोमल दिल वाली भी हैं, हर परेशान पीड़ित की समस्या को काफी गंभीरता से लेती हैं और जब तक पीड़ित हो इंसाफ नहीं मिल जाता तब तक मामले का लगातार अपडेट भी लेती रहती हैं । इसके अलावा पिछले कुछ सालों से राजस्थान ही नहीं बल्कि पूरे देश भर में छोटे-छोटे मामलों को लेकर भी लोग सड़कों पर आ जाते हैं और हिंसक प्रदर्शन करने लग जाते हैं इस तरह के मामले राजस्थान पुलिस के लिए ही नहीं बल्कि अन्य राज्यों की पुलिस के लिए भी बड़ी चुनौती बने हुए हैं ऐसे मामलों में मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारी अगर संयम और धैर्य से निर्णय लेकर उग्र लोगों को शांत करने का प्रयास करें तो निश्चित रूप से उसे सफलता भी मिलती है लेकिन ऐसे कठिन और गर्म माहौल में अगर पुलिस डंडे के जोर पर लोगों को काबू में करने का प्रयास करें तो मामला काफी बिगड़ भी जाता है। इस तरह के मामलों को शांतिपूर्वक तरीके से हल करने के मामले में रंजीता शर्मा का कोई जवाब नहीं, अपने फील्ड पोस्टिंग और प्रशिक्षण की अवधि के दौरान इस दबंग लेडी ऑफिसर के सामने कई बार विषम और कठिन परिस्थितियों बनी जब बड़ी संख्या में लोग हिंसा पर उतारू थे लेकिन मौके पर संयम, धैर्य रखते हुए अपने विवेक और वर्किंग स्टाइल से गुस्से में लोगों को शांत किया, एक साक्षात्कार में रंजीताशर्मा यह कहते हुए भी दिख रही थी कि हम अपने ही देश के लोगों के सामने ऐसे समय में जब वे अपनी मांग को लेकर आंदोलन कर रहे होते हैं तो फिर हम उन पर डंडा बरसाने के बारे में कैसे सोच सकते हैं ऐसे माहौल में संयम और धैर्य रखना पुलिस अधिकारी के लिए जरूरी होता है, रंजीता शर्मा की इस बात को इग्नोर भी नहीं किया जा सकता ।

सम्पादकीय

बदायूं की बारात में दहशत, 100 से ज्यादा लोग घायल!

VISHAL SRIVAST

विचित्र बात है कि सर्वोच्च न्यायालय के तमाम दिशा-निर्देशों के बावजूद न तो रिहायशी इलाकों से आवारा कुत्तों को हटाने पर गंभीरता दिखाई जा रही है और न ही इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए स्थानीय निकाय ईमानदारी से प्रयास करते नजर आ रहे हैं। नतीजा यह कि कई जगहों पर आज भी नागरिक भय और जोखिम में हैं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हाल में हुई आवारा कुत्ते के काटने की एक खौफनाक घटना ने आम लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। एक दुल्हन की विदाई के समय बारातघर में घुसे आवारा कुत्ते ने साठ से अधिक लोगों को काट लिया। अचानक हुए इस हमले में वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गई और इससे कई लोगों को चोटें भी आईं। हैरत की बात है कि इतनी बड़ी घटना होने पर भी स्थानीय प्रशासन की ओर से आवारा कुत्ते को पकड़ने की कोशिश नहीं की गई। परिणाम यह हुआ कि उसने बारातघर से निकल कर कई राहगीरों और दुकानदारों को भी काटा और फिर एक गांव में मवेशियों पर हमला किया। इस घटना की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि सौ से ज्यादा लोगों को रेबीजरोधी टीके लगवाने पड़े। यह निराशाजनक ही है कि शीर्ष अदालत की कड़ी हिदायत के बाद भी आक्रामक कुत्तों को पकड़ने और उन्हें आश्रय स्थलों पर भेजने की माकूल व्यवस्था नहीं की जा रही है। अगर जिला प्रशासन और नगर निकाय ही अपना दायित्व नहीं निभाएंगे, तो आखिर नागरिक अपनी फरियाद लेकर कहां जाएंगे? बदायूं में हुई घटना से वहां के लोग सहमे हुए हैं और इस बात का खतरा बना हुआ है कि कहीं कोई और कुत्ता इस तरह से आक्रामक न हो जाए। इसमें दोराय नहीं कि अगर आवारा कुत्ते को समय रहते पकड़ लिया गया होता, तो इतनी बड़ी संख्या में लोग जख्मी नहीं होते। स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी है कि अगर आवारा कुत्ते आक्रामक हो रहे हैं, तो तत्काल समुचित उपाय किए जाने चाहिए। इस तरह की लापरवाही के लिए जो भी दोषी हों, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाना जरूरी है, क्योंकि यह मसला आम नागरिकों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ा है। राज कपूर की फिल्म 'आवारा' का गीत, 'आवारा हूं, या गर्दिश में हूं, आसमान का तारा हूं' ने सड़कों की जिंदगी को एक रुमानियत दी थी। भारतीय शहरों में यह रुमानियत सड़कों पर कुत्तों को लेकर भी उमड़ी। आवारा कुत्तों को खिलाने व उनकी देखभाल करने का एक बड़ा तबका तैयार हुआ। जल्द ही यह रुमानियत खौफ में बदल गई,

कहानी

भंवरा

आज नन्ही कंवल को ज़ुकाम हो गया था। बात ये हुई कि सर्दी बहुत थी और कंवल को पानी में खेलना बहुत अच्छा लगता था। घर में अम्मी और नर्सरी में आँटी बहुत मना करतीं, बहुत रोकतीं, आंटी नर्सरी में समझातीं, मगर रबर के ग़ुबारों में पानी भर कर उसका फ़व्वारा बनाना, उसे दूसरों पर फेंकना और पानी के सारे खेल उसे बहुत अच्छे लगते थे और नंगे पाँव घूमने में तो उसे बहुत ही मज़ा आता था। बस फिर उसे ज़ुकाम हो गया। नाक से पानी, आँखों से पानी, आँखें लाल, आछ्छीं, खों-खों और फिर बुख़ार भी हो गया। अब वो नर्सरी कैसे जाती। तो उसे छुट्टी करनी पड़ी। घर पर अकेले लेटे-लेटे उसका जी बहुत घबरा रहा था। अम्मी घर के काम में लग गई थीं। बहन-भाई सब अपने-अपने स्कूल चले गए थे और अब्बा अपने दफ़्तर। पड़ोस के बच्चे भी सब अपने-अपने स्कूल जा चुके थे और बाहर गली में खेलने पर अम्मी बहुत ख़फ़ा होती थीं। जब लेटे-लेटे उसका जी घबराया तो वो चुपके से उठी और घर के सामने छोटे से बाग़ीचे में चली गई और आहिस्ता-आहिस्ता अपनी गेंद से खेलने लगी। मगर अकेले कब तक खेलती... बस उसका ध्यान फूलों पर इधर से उधर उड़ती तितलियों की तरफ़ चला गया। रंग-बिरंगी तितलियाँ। लाल, पीली, नीली तितलियाँ, फूलों पर नाचती फिर रही थीं। वो एक तितली के पीछे भाग रही थी कि उसकी नज़र एक भँवरे पर गई। भुन-भुन करता काला-कलूटा भंवरा जल्दी-जल्दी एक फूल से दूसरे फूल पर और दूसरे से तीसरे पर उड़ता फिर रहा था। जब वो किसी फूल पर बैठता तो फूल की पतली सी डंडी झूलने लगती। नन्ही कंवल थोड़ी देर भँवरे को ग़ौर से घूरती रही और फिर जैसे कोई अपने आपसे बोलने लगे, उसने बोलना शुरू कर दिया... 'मियाँ भँवरे, मियाँ भँवरे, तुम इतने परेशान क्यों हो? और तुम इतने काले-कलूटे क्यों हो? ये सब तितलियाँ तो कितनी रंग-बिरंगी और सुंदर हैं? '

नन्ही कंवल एक आवाज़ सुन कर एक दम चौंक पड़ी। 'क्या तुम मेरी कहानी सुनोगी?' उसने फिर वही आवाज़ सुनी और फिर उसे यक़ीन हो गया कि ये भँवरे की ही आवाज़ है। भंवरा भुन-भुन कर रहा था और उसी में से ये आवाज़ थी। 'क्यों! क्या तुम्हारी कोई कहानी है?' कंवल ने हैरत से पूछा...

'हाँ सुनो।' भँवरे ने जवाब दिया। 'मैं एक देस का राजा था। यहाँ से बहुत दूर देस का। मुझे सोने-चाँदी हीरे-मोती से बड़ा प्यार था। मेरा महल सोने का था। उसमें चाँदी के दरवाज़े थे, हीरे-मोती के पर्दे थे। मैं सोने-चाँदी के बर्तनों में खाता-पीता था।

एक दिन मैंने अपने बाग़ में टहलते हुए सोचा। ये फूल-पत्ते, हरी-हरी घास सब सूख कर कूड़े का ढेर बन जाते हैं और हाँ मुझे चिड़ियों की चूँ-चूँ, कबूतरों की गुटर-गूँ का शोर भी अच्छा नहीं लगता था। बस मैंने एक दम हुक्म दिया। ये सारे बाग़ उजाड़ दिए जाएँ। फूल-पत्ते नोच कर फेंक दिए जाएँ। चिड़ियों को मार दिया जाए। बाग़ में सोने-चाँदी के फूलों के पौदे लगाए जाएँ, उनमें सोने-चाँदी की घंटियाँ बाँधी जाएँ।

बस मेरा हुक्म होने की देर थी। तमाम बाग़ उजड़ गए। चिड़ियाँ मर गईं। तितलियाँ भाग गईं और जगह-जगह सोने-चाँदी की घंटियाँ लगा दी गईं। मगर उसके बाद क्या हुआ ये मत पूछो! ' 'क्या हुआ?' कंवल ने हैरत से पूछा... 'मेरे देस के बच्चे जो बाग़ों में खेलते-फिरते थे, तितलियों के पीछे दौड़ते फिरते थे, चिड़ियों के मीठे गीत सुनते थे वो सब उदास हो गए और फिर बीमार हो गए। अब पढ़ने-लिखने में उनका दिल न लगता था। इसलिए बच्चों के माँ-बाप परेशान हो गए। वो मुझसे नाराज़ हो गए। उन्हें बहुत ग़ुस्सा आया और एक दिन देस के सारे बच्चों ने और उनके माँ-बाप ने मेरे महल को घेर लिया। मुझे महल से निकाल दिया। मेरे सारे बदन पर कालक मल दी। उन्होंने कहा, 'तुम ने हमारे देस को उजाड़ दिया है। हमारे बच्चों को दुखी कर दिया है। उन्हें बीमार कर डाल दिया है। तुम्हारा सारा सोना-चाँदी हमारे किस काम का है। जाओ यहाँ से चले जाओ। बाग़ की रूठी हुई बहारों, फूलों, कलियों, हरी-हरी घास और झूमते पौदों को ले आओ।

आधुनिकीकरण की राह पर रेलवे

2014 से अब तक लगभग 55,000 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 किमी ट्रैक में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम-सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किमी से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किग्रा वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार ढुलाई और तेज गति सुनिश्चित करती हैं। जहां मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, वहीं समय रहते खराबी पकड़ना भी जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की जाती है। इसके तहत करीब 36.2 लाख किमी ट्रैक और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीक भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनों और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जो ट्रेन यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है। भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो

भारत में हर दिन 25,000 से अधिक ट्रेनें चलती हैं। ये ट्रेनें रोजाना दो करोड़ से अधिक यात्रियों को ले जाती हैं और कोयला, लौह अयस्क, अनाज, स्टील, सीमेंट तथा अन्य वस्तुओं की बड़ी मात्रा को 1,37,000 किमी से अधिक लंबे रेल नेटवर्क पर एक से दूसरे स्थान तक पहुंचाती हैं। यह व्यवस्था जिस आधार पर काम करती है, वह रेल पटरी है। जब पटरी अच्छी स्थिति में होती है, तब ट्रेनें सुरक्षित रूप से अधिक गति से चलती हैं। जब पटरी खराब होती है, तो इसके परिणाम गति पर रोक, देरी और सुरक्षा संबंधी जोखिम के रूप में सामने आते हैं। रेल की पटरी में दरार, कोई ढीला पुर्जा या गिट्टी की परत में रुकावट, इनमें से कोई भी ट्रेन की गति को प्रभावित कर सकती है।

रेल पटरियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेलवे ने पिछले कुछ वर्षों में व्यापक आधुनिकीकरण कार्यक्रम शुरू किया है। इस कार्य में आधुनिक मशीनों से पटरियों का नवीनीकरण, उन्नत तरीकों से जांच और निरीक्षण, मशीनीकृत रखरखाव, सुरक्षा बाड़बंदी आदि शामिल रहे हैं। इन प्रयासों ने रेल नेटवर्क की स्थिति को स्पष्ट रूप से बदल दिया है।

2014 से अब तक लगभग 55,000 किमी पटरियों का नवीनीकरण किया गया है, जिससे सुरक्षा और यात्रा की गुणवत्ता में सुधार हुआ है तथा बार-बार मरम्मत की आवश्यकता कम हुई है। लगभग 44,000 किमी ट्रैक में 260 मीटर लंबे रेल पैनल बिछाए गए हैं। लंबे पैनलों का अर्थ है कम जोड़, जिससे ट्रेनों की आवाजाही अधिक सुगम-सुरक्षित होती है। अब 80,000 ट्रैक किमी से अधिक हिस्से में मजबूत 60 किग्रा वाली रेल पटरियों का उपयोग हो रहा है, जो अधिक भार ढुलाई और तेज गति सुनिश्चित करती हैं।

जहां मजबूत रेल पटरी बिछाना जरूरी है, वहीं समय रहते खराबी पकड़ना भी जरूरी है। छिपी हुई दरारों को खोजने के लिए अल्ट्रासोनिक जांच की जाती है। इसके तहत करीब 36.2 लाख किमी ट्रैक और 2.25 करोड़ वेल्ड की जांच हुई। इससे रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं करीब 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं। यानी अब खराबी होने के बाद उसे ठीक करने के बजाय पहले ही पकड़कर रोक लिया जाता है। अब रेलवे में दूसरी आधुनिक जांच तकनीक भी इस्तेमाल हो रही हैं। नई वेल्ड की जांच के लिए चुंबकीय जांच, फ्लैश-बट वेल्ड की जांच के लिए नई मशीनों और जीपीएस से जुड़ी ऐसी व्यवस्था बनाई गई है, जो ट्रेन यात्रा की गुणवत्ता मापती है और पटरी के खराब हिस्से की सही जगह बता देती है।

भारतीय रेलवे की ट्रैक मशीनों की संख्या 2014 में 748 थी, जो 2026 में बढ़कर 1,785 हो गई है। ये मशीनें पटरी को ठीक करने, गिट्टी साफ करने और हाथ से होने वाले काम की तुलना में ज्यादा तेज, बेहतर और एकसमान तरीके से करती हैं। पटरी के नीचे बिछी गिट्टी की परत साफ करने में मशीनों ने बड़ा फर्क पैदा किया है। यही गिट्टी पानी निकालने, कंपन कम करने और पटरी मजबूत बनाए रखने का काम करती है। पटरी की ऊपरी सतह की खराबी दूर करने के लिए भी एक लाख किमी से ज्यादा रेल ढांचे की ग्राइंडिंग की गई है। इससे ट्रेन का सफर ज्यादा आरामदायक और सुरक्षित हुआ है। हर साल ट्रेनों की संख्या बढ़ रही है, इसलिए उनके रखरखाव के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। ऐसे में मशीनों की मदद से कम समय में ज्यादा काम हो जाता है और ट्रेन सेवाएं भी प्रभावित नहीं होतीं। इस क्रम में सुरक्षा सिर्फ पटरी पर नहीं, बल्कि वहां भी जरूरी है जहां ट्रेनें लाइन बदलती हैं। इसलिए भारतीय रेलवे ने पटरी बदलने के साथ कई दूसरे सुधार भी किए हैं। करीब 17,500 किमी तक सुरक्षा के लिए बाड़ लगाई गई है, खासकर उन जगहों पर जहां ट्रेनें 110 किमी प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार से चलती हैं। इससे लोगों और जानवरों के पटरी पर आने की घटनाएं कम होती हैं। जहां ट्रेनें एक लाइन से दूसरी लाइन पर जाती हैं, वहां 36,000 नए और मजबूत स्विच लगाए गए हैं और 7,500 खास तरह के क्रासिंग लगाए गए हैं। ये ज्यादा समय तक चलते हैं और ट्रेन को बिना झटके के गुजरने देते हैं। 2019 से चौड़े और भारी स्लीपर लगाए जा रहे हैं, जिससे पटरी ज्यादा मजबूत रहती है, खासकर गर्मियों में। पुलों पर भी मजबूत स्लीपर लगाए गए हैं और यार्ड के अंदर लंबी वेल्ड वाली पटरियां बिछाई गई हैं। इससे पूरा रेलवे नेटवर्क और मजबूत हुआ है। रेल पटरियों के आधुनिकीकरण का सबसे साफ असर ट्रेनों की रफ्तार बढ़ने की क्षमता के रूप में दिखाई देता है। 130 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार के लिए तैयार रेल पटरी का हिस्सा पहले सिर्फ छह प्रतिशत था, जो अब बढ़कर करीब 23 प्रतिशत हो गया है। इसी तरह 110 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार वाली पटरी पहले करीब 40 प्रतिशत थी, जो अब 80 प्रतिशत तक पहुंच गई है। तमाम सुधार अपना असर भी दिखा रहे हैं। 2014-15 में 135 बड़े रेल हादसे हुए थे, लेकिन 2025-26 में यह संख्या घटकर सिर्फ 16 रह गई। 12 साल पहले भारत की 60 प्रतिशत रेल पटरियां 110 किमी प्रति घंटे से कम रफ्तार तक ही सीमित थीं। रेल पटरी टूटने की घटनाएं आम थीं और ज्यादातर रखरखाव हाथ से किया जाता था। अब करीब 80 प्रतिशत रेल नेटवर्क 110 किमी प्रति घंटे या उससे ज्यादा रफ्तार संभाल सकता है।

रेल और वेल्ड टूटने की घटनाएं 90 प्रतिशत तक कम हो गई हैं और करीब 1,800 ट्रैक मशीनें काम कर रही हैं। अब रेलवे ने एक नई आनलाइन व्यवस्था भी शुरू की है, जिसे ट्रैक मैनेजमेंट सिस्टम यानी टीएमएस कहा जाता है।

होर्मुज पर निर्भरता घटाने का समय

भारत को होर्मुज के भरोसे रहने के बजाय खुद के वैकल्पिक रास्ते और सुरक्षा तंत्र विकसित करने की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे। होर्मुज जलमार्ग इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई भी मौजूदा रास्ता इसकी क्षमता (प्रतिदिन लगभग 21 मिलियन बैरल तेल) का मुकाबला नहीं करता। फारस की खाड़ी से सीधे लाल सागर को जोड़ने वाली सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की क्षमता मात्र पांच मिलियन बैरल प्रतिदिन है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की धाबी क्रूड आयल पाइपलाइन होर्मुज को बायपास करते हुए तेल को फुजैरा (ओमान की खाड़ी) बंदरगाह तक पहुंचाती है, परंतु इसकी क्षमता भी मात्र 1.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन है। इराक की तुर्की पाइपलाइन भी तकनीकी बाधाओं और क्षेत्रीय राजनीति के कारण हमेशा पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाती। 'केप आफ गुड होप' का रास्ता

अमेरिका और ईरान के बीच शक्ति का अखाड़ा बनते होर्मुज जलमार्ग ने वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार व्यवस्था पर गहरे प्रश्नचिह्न खड़े कर दिए हैं। दुनिया का लगभग एक-तिहाई समुद्री तेल व्यापार संकरे होर्मुज जलमार्ग से ही होता है। यहां उत्पन्न होने वाला कोई भी तनाव सीधे वैश्विक तेल एवं गैस की कीमतों और आपूर्ति को अस्थिर कर देता है। तमाम विकसित के साथ-साथ विकासशील देशों की पूरी औद्योगिक मशीनरी इसी जलमार्ग की सुरक्षा पर टिकी है। आर्थिक शक्ति बनते भारत में भी तेल और गैस की मांग बढ़ रही है। ऐसे में यदि यह मार्ग पूरी तरह से बाधित होता है तो कच्चे तेल की कीमतें 150 डालर प्रति बैरल स्तर को पार कर सकती हैं, जो वैश्विक मंदी की वजह बन सकती है। ऐसे में भारत के लिए होर्मुज पर निर्भरता कम करना अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। भारत के लिए होर्मुज संकट एक स्पष्ट संदेश है कि किसी एक भौगोलिक मार्ग पर अत्यधिक निर्भरता राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक संप्रभुता के लिए खतरनाक है।

तेल की कीमतों में उछाल भारत का आयात बिल बढ़ाकर चालू खाते के घाटे पर असर डालेगी, जो रुपये को और कमजोर करेगा। बात तेल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि खाड़ी देशों में रहने वाले लाखों प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा और वहां से आने वाली विदेशी मुद्रा की भी है, जो किसी भी बड़े सैन्य संघर्ष की स्थिति में अचानक कम या थम सकती है। होर्मुज का विवाद भारत के लिए एक चेतावनी है कि हमें अपनी ऊर्जा और व्यापारिक मार्गों का विविधीकरण करना ही होगा। भारत को होर्मुज के भरोसे रहने के बजाय खुद के वैकल्पिक रास्ते और सुरक्षा तंत्र विकसित करने की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे।

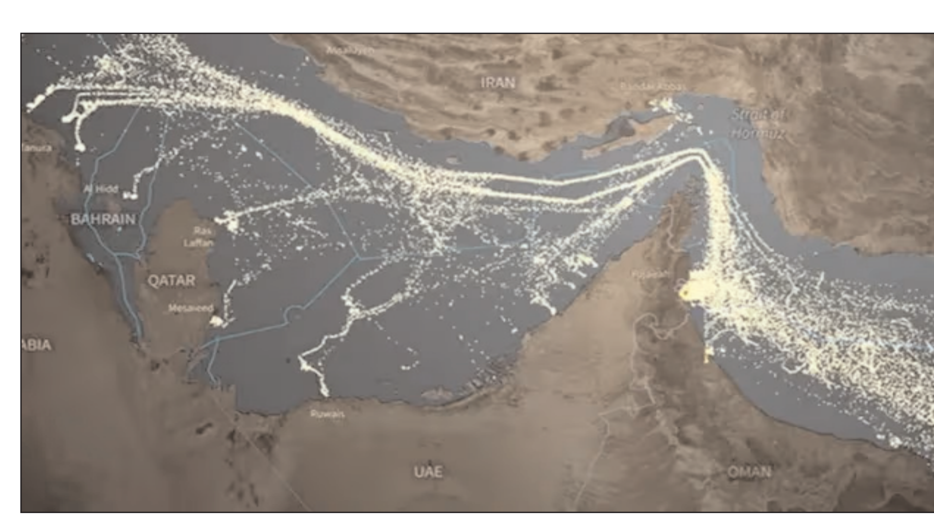

होर्मुज जलमार्ग इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि कोई भी मौजूदा रास्ता इसकी क्षमता (प्रतिदिन लगभग 21 मिलियन बैरल तेल) का मुकाबला नहीं करता। फारस की खाड़ी से सीधे लाल सागर को जोड़ने वाली सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन की क्षमता मात्र पांच मिलियन बैरल प्रतिदिन है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की धाबी क्रूड आयल पाइपलाइन होर्मुज को बायपास करते हुए तेल को फुजैरा (ओमान की खाड़ी) बंदरगाह तक पहुंचाती है, परंतु इसकी क्षमता भी मात्र 1.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन है। इराक की तुर्की पाइपलाइन भी तकनीकी बाधाओं और क्षेत्रीय राजनीति के कारण हमेशा पूरी क्षमता से काम नहीं कर पाती। 'केप आफ गुड होप' का रास्ता बहुत लंबा है, जिससे माल ढुलाई का समय और लागत कई गुना बढ़ जाएगी। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनमिक कारिडोर का निर्माण अभी शुरू भी नहीं हुआ है। यह परियोजना अभी नियोजन और समन्वय के चरण में है। इजरायल-हमास तनाव ने इस परियोजना की गति को धीमा कर दिया है। सभी विकल्प मिलकर भी होर्मुज की कमी को 40 प्रतिशत से अधिक पूरा नहीं कर सकते। भू-राजनीतिक चक्रव्यूह के बीच भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए एक बहुस्तरीय योजना पर काम कर रहा है, जिसका उद्देश्य ऊर्जा निर्भरता को कम करने के साथ देश को वैश्विक आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित करना भी है। इस रणनीति के केंद्र में ईरान का चाबहार बंदरगाह है। यह पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए भारत की पहुंच सीधे अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक प्रदान करता है। 7,200 किमी लंबे अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे को चाबहार का प्रवेश द्वार बनाकर भारत न केवल रूस और यूरोप तक अपनी दूरी कम कर सकता है, बल्कि अपने निर्यात को वैश्विक बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी भी बना सकता है। अभी भारत का अधिकांश व्यापार स्वेज नहर के रास्ते होता है, जो लंबा और महंगा है, जबकि यह गलियारा दूरी और लागत, दोनों को काफी हद तक कम करता है और मध्य एशिया के ऊर्जा संसाधनों तक अपनी पहुंच मजबूत बना सकता है।

शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई की 10वीं कक्षा का परीक्षा परिणाम आने के बाद यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का भी रिजल्ट आ गया। कुछ अन्य बोर्ड परीक्षाओं के परिणाम भी आ चुके हैं। जो परिणाम अभी तक आए हैं, उनमें प्रतिभाशाली छात्रों की बड़ी संख्या दिख रही है। वे बधाई और प्रशंसा के पात्र बनने के साथ अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रहे हैं। यह स्वाभाविक है, लेकिन इसी के साथ यह भी विचारणीय है कि क्या देश में वैसी प्रतिभाओं का विकास हो रहा है, जैसी आज के युग में आवश्यक हैं और जो देश के वैज्ञानिक एवं तकनीकी उत्थान में सहायक बन सकें? हम इसकी अनदेखी नहीं कर सकते कि वैसी गुणवत्तापरक शिक्षा नहीं दी जा पा रही

है, जैसी समय की मांग है। एक समस्या यह भी है कि बड़ी संख्या में छात्र विदेश पढ़ने के लिए जाते हैं। उच्च शिक्षा के लिए पश्चिमी देशों के साथ विकासशील देशों में भी पढ़ने जाने का चलन बढ़ा है। आखिर ऐसा क्यों है, इस पर न केवल गहनता से विचार होना चाहिए, बल्कि उन कारणों का निवारण भी करना होगा, जिनके चलते ऐसा हो रहा है। इसी के साथ यह भी देखना होगा कि शिक्षा संस्थानों में शोध एवं विकास की गुणवत्ता कैसे बढ़े। भारत शोध पत्रों की संख्या के मामले में तो तीसरे स्थान पर है, लेकिन उनकी गुणवत्ता के पैमाने पर कहीं पीछे है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि भारत अपनी जीडीपी का एक प्रतिशत भी शोध पर खर्च नहीं करता, जबकि कई विकासशील देश 4-5 प्रतिशत तक करते हैं। शिक्षा संस्थानों में उन्नत प्रयोगशालाओं और प्रशिक्षण का अभाव भी गुणवत्तापूर्ण शोध में बाधक बन रहा है। यह सही है कि हाल के समय में देश में तेजी के साथ बड़ी संख्या में निजी स्कूल और साथ ही उच्च शिक्षा संस्थान खुले हैं, पर उनमें भी शोध का स्तर संतोषजनक नहीं। निजी शिक्षा संस्थानों का नियमन भी सही तरह नहीं हो रहा है। इसका एक उदाहरण निजी स्कूलों की मनमानी का राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की ओर से संज्ञान लिया जाना है। आयोग ने यह पाया कि प्राइवेट स्कूल छात्रों और अभिभावकों पर इसके लिए दबाव बनाते हैं कि वे निजी प्रकाशकों की पुस्तकें खरीदें। आयोग ने इसे लेकर सभी राज्यों को नोटिस जारी की है। कहना कठिन है कि इस कदम के कोई सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे या नहीं? जो भी हो, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग को यह भी देखना चाहिए कि स्कूली स्तर पर कोचिंग संस्कृति जिस तरह फलती-फूलती जा रही है, वह कोई शुभ संकेत नहीं।

काल्या में देवनारायण मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, 81 जोड़ों ने किया यज्ञ

जयपुर टाइम्स

सांभरलेक(निस)। कस्बे के समीपवर्ती गांव काल्या में शुक्रवार को नवनिर्मित भगवान देवनारायण मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ आयोजित हुआ। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच मूर्ति की स्थापना कर धार्मिक विधि-विधान से कार्यक्रम संपन्न किया गया। प्राण-प्रतिष्ठा बिजोलाव धाम के महंत मंगलदास महाराज, पुष्कर के महंत प्रेमनाथ जी, देवमंड धाम के श्योजीराम गुर्जर तथा लदेरा धाम के जोधाराम सहित अन्य संतों के सान्निध्य में हुई। सुबह करीब 7:15 बजे 81 जोड़े हवन-यज्ञ में शामिल हुए और पूर्णाहुति दी। मंदिर परिसर में भूमि दान देने वाले भामाशाह रामदेव धांगढ़, गिरधारी धांगढ़, रामचंद्र धांगढ़, रामलाल धांगढ़ और गोपाल धांगढ़ का साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इसी प्रकार आर्थिक सहयोग देने वाले सांभर निवासी दीपक गोपाल टाटी, बद्रीनारायण बारवाल, गणेश गिरधारी धांगढ़, मेवाराम धांगढ़ और गोपाल हाकला का भी अभिनंदन किया गया। साथ ही पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि सुरेश चौहान का स्वागत किया गया।इस अवसर पर मास्टर देवाराम धांगड़, रामस्वरूप बारवाल, बिशन बारवाल, मोती पोसवाल, गिरधारी बारवाल, हरकरन बारवाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम से पूर्व रात्रि में भजन संध्या का आयोजन हुआ, जिसमें देव फड़ वाचन और भजनों की प्रस्तुतियों ने माहौल को भक्तिमय बना दिया। समारोह के बाद आयोजित भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

निवेश और रोजगार सृजन को मिलेगी गति- रीको ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में खोले 21 नए औद्योगिक क्षेत्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(निस) राजस्थान में देश-विदेश से अधिकाधिक निवेश आकर्षित करने तथा उद्यमियों को राज्य में औद्योगिक इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करने की दिशा में रीको लगातार प्रयासरत है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप राज्य में रोजगार सृजन को गति देने के उद्देश्य से रीको द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 21 नए औद्योगिक क्षेत्रों को आवंटन के लिए खोला गया है। निवेशकों की आवश्यकता एवं रुचि को ध्यान में रखते हुए इन औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नवीन औद्योगिक क्षेत्रों में से कुछ क्षेत्रों में निवेशकों ने विशेष रुचि दिखाई है। इन औद्योगिक क्षेत्रों में अलवर के रूंधसोखरी में 40 भूखण्ड, अजमेर के अजयमेरू पालड़ा विस्तार में 18 एवं सांथना जनरल जोन में 17, बालोतरा के बोरावास कलावा प्रथम चरण स्पेशल पार्क में 28, सीकर के गणेश्वर में 46 तथा जयपुर के हुक्कन औद्योगिक क्षेत्र में 31 भूखण्ड आवंटित/ऑफर लेटर जारी किये जा चुके हैं। अधिकांश औद्योगिक क्षेत्रों में प्रत्यक्ष आवंटन योजना के अंतर्गत भूखण्ड उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे निवेशक कम लागत पर शीघ्र अपनी इकाइयां स्थापित कर संचालन प्रारंभ कर सकें। अब तक इन क्षेत्रों में 195 औद्योगिक भूखण्ड आवंटित किए जा चुके हैं अथवा ऑफर लेटर जारी किए गए हैं। इन 21 औद्योगिक क्षेत्रों में केकड़ी विस्तार (अजमेर), बारौली (भरतपुर), पंढेर गुलाबपुरा, धुनवाला, पीपलूंद एवं कीडिमाल (भीलवाड़ा), बिचून (जयपुर), पीपलखेड़ी बारां (कोटा), कछालिया बूंदी (कोटा) तथा सगतपुरा (उदयपुर) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त रीको द्वारा स्पेशल प्रोडक्ट्स पर आधारित औद्योगिक क्षेत्र भी खोले गये हैं, जिनमें अजमेर का आईटी पार्क, गजनेर (बीकानेर) का सेरेमिक पार्क, किशनगढ़ का टाइल्स पार्क, गुंदी फतेहपुर (कोटा) का स्टोन पार्क एवं वाटर रिसाइक्लिंग पार्क प्रमुख रूप से सम्मिलित हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में रीको ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित कर आवंटन हेतु खोले हैं। पिछले दस वर्षों की तुलना की जाये तो वित्तीय वर्ष 2016-17, 2018-19 व 2019-20 में 1-1, 2017-18 में 4, 2020-21 में 15 व 2021-22 में 13 नवीन औद्योगिक क्षेत्र आवंटन हेतु खोले गये। रीको लगातार नवीन नीतियां एवं योजनाएं ला रहा है एवं उद्यमियों की आवश्यतानुसार पुरानी नीतियों में बदलाव भी कर रहा है जिसके परिणाम सुखद रहे हैं। वर्ष 2022-23 में 18, 2023-24 में 14, 2024-25 में 12 तथा 2025-26 में 21 नए औद्योगिक क्षेत्र आवंटन हेतु खोले गए हैं।

एक एमवीए तक की उत्पादन इकाइयों के लिए अब विद्युत निरीक्षण की जरूरत नहीं

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास.) राज्य सरकार ने 33 केवी तक के विद्युत कनेक्शनों तथा उत्पादन इकाइयों की सुरक्षा जांच एवं प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए नई गाइडलाइन जारी की है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा एवं विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम 2023 के अन्तर्गत यह बड़ा बदलाव किया गया है जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। ईज ऑफ डूईंग बिजनेस की दिशा में राज्य सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय है। इस संबंध में ऊर्जा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक अब 1 एमवीए क्षमता तक की उत्पादन इकाइयों, जिसमें सोलर एवं पवन सहित नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत भी शामिल हैं का अब स्व प्रमाणीकरण किया जा सकेगा। इसके लिए विद्युत निरीक्षक के प्रमाणन की आवश्यकता नहीं होगी। संबंधित उपभोक्ता, परिसर का मालिक या आपूर्तिकर्ता इसे स्व प्रमाणित कर सकेंगे कि उनका प्लांट सुरक्षा मानकों के अनुरूप है। हालांकि उपभोक्ता को यह विकल्प भी दिया गया है कि वह चाहे तो विभागीय पोर्टल के माध्यम से विद्युत निरीक्षक से जांच करवा सकता है। अधिसूचना के अनुसार विद्युत निगम अथवा विद्युत आपूर्तिकर्ता तब तक किसी भी विद्युत प्रतिष्ठान को तब तक विद्युतीकृत नहीं करेगा, जब तक कि विभागीय पोर्टल पर स्व प्रमाणीकरण अथवा विद्युत निरीक्षक का प्रमाण पत्र अपलोड नहीं हो जाता। हालांकि एक एमवीए क्षमता से अधिक की विद्युत उत्पादन इकाइयों को विभागीय पोर्टल के माध्यम से विद्युत निरीक्षक से प्रमाणीकरण कराना आवश्यक होगा। इसी प्रकार 33 केवी तक के वोल्टेज से जुड़े कनेक्शन पर परिसरों के मालिकों, आपूर्तिकर्ता एवं उपभोक्ता विद्युत फिटिंग के संबंध में अपने प्रतिष्ठानों का स्व प्रमाणीकरण कर सकेंगे। उनके पास विभागीय पोर्टल के माध्यम से विद्युत निरीक्षण द्वारा प्रमाणीकरण कराने का विकल्प भी रहेगा। हालांकि 33 केवी से अधिक एवं हाई वोल्टेज वाले कनेक्शनों से जुड़े सभी विद्युत कनेक्शनों का प्रमाणीकरण विद्युत निरीक्षक द्वारा ही किया जाएगा। वहीं 15 मीटर से अधिक ऊंचाई वाली बहुमंजिला इमारतों के मामले में केवल विद्युत निरीक्षक से ही प्रमाणीकरण अनुमत होगा। बेसमेंट, सिनेमा हॉल, अस्पतालों, थिएटरों, बड़े सार्वजनिक सभा स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों, मॉल और वीआईपी विजिट से जुड़े स्थलों का सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण का अधिकार विद्युत निरीक्षक के पास ही होगा।

नरैना में फर्जी पट्टा गिरोह का पर्दाफाश: ई-मित्र संचालक सहित 6 गिरफ्तार

पीएम आवास योजना में धोखाधड़ी का बड़ा खुलासा

नगरपालिका रिकॉर्ड से छेड़छाड़ कर बनाए गए फर्जी दस्तावेज

जयपुर टाइम्स

नरैना(निस)। नरेना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी पट्टा प्रकरण का भंडाफोड़ किया है। इस मामले में ई-मित्र संचालक सहित कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से नगरपालिका के नाम पर फर्जी दस्तावेज तैयार कर प्रधानमंत्री आवास योजना में लाभ लेने का प्रयास किया। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद ने बताया कि नरेना नगरपालिका में पीएम आवास योजना के आवेदनों के सत्यापन के दौरान कुछ पट्टों पर संदेह हुआ। जांच में सामने आया कि जिन दस्तावेजों के आधार पर आवेदन किए गए थे, वे असली रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते थे।

इस तरह हुआ खुलासा:

नगरपालिका की ओर से गठित जांच समिति ने जब मूल पट्टा रजिस्टर से मिलान किया तो पाया कि संबंधित पट्टा नंबर और तिथियां पूरी तरह अलग हैं। इतना ही नहीं, जिन नंबरों पर पट्टे दर्शाए गए थे, उन पर पहले से अन्य व्यक्तियों के नाम दर्ज थे। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों ने फर्जी हस्ताक्षर, सील और दस्तावेज तैयार कर उन्हें असली जैसा दिखाने की कोशिश की। इन फर्जी पट्टों का उपयोग पीएम आवास योजना के तहत आवेदन करने में किया गया।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई:

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक व उपाधीक्षक के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। तकनीकी साक्ष्यों और खुफिया जानकारी के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में मुख्य रूप से सोहनलाल, अशोक कुमार, हेमराज, अल्ताफ हुसैन, सोनी देवी और संतोष देवी शामिल हैं। सभी आरोपी नरेना क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला:

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की विभिन्न धाराओं–318(4), 338, 336(3), 340(2) और 61(2)–के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

संगठित गिरोह की आशंका:

प्रारंभिक जांच में यह मामला केवल व्यक्तिगत धोखाधड़ी का नहीं, बल्कि एक संगठित गिरोह से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस नेटवर्क में और कौन-कौन शामिल है तथा कितने लोगों को फर्जी पट्टों के जरिए फायदा पहुंचाया गया।

आमजन से पुलिस की अपील:

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी सरकारी योजना में आवेदन करते समय दस्तावेजों की सत्यता की पूरी जांच करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

कैंसर पीड़ित बुजुर्ग महिला से 27 लाख की ठगी, एफडी के नाम पर बैंक खाते से रकम हड़पने वाला आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

फुलेरा(निस)। फुलेरा थाना क्षेत्र में एक कैंसर पीड़ित बुजुर्ग महिला के साथ 27 लाख रुपए की ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। एफडी (फिक्स्ड डिपॉजिट) कराने के बहाने आरोपी ने महिला के खाते से पूरी राशि अपने खातों में ट्रांसफर कर हड़प ली। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ जारी है।

पुलिस अधीक्षक जयपुर ग्रामीण हनुमान प्रसाद ने बताया कि 20 मार्च 2026 को पीड़िता की बेटी शशिकला निवासी सांभरलेक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि उसकी मां मैना देवी, जो रेलवे विभाग से सेवानिवृत्त थीं, कैंसर से पीड़ित थीं और अक्सर बैंकिंग कार्यों के लिए फुलेरा स्थित एक कियोस्क संचालक विष्णु कुमार से संपर्क करती थीं।

एफडी के नाम पर रची साजिश:

परिवार ने तीन नाबालिग बच्चियों के नाम 9-9 लाख रुपए की एफडी कराने का निर्णय लिया। इस कार्य के लिए कियोस्क संचालक विष्णु कुमार से संपर्क किया गया। आरोपी ने भरोसा जीतकर महिला के खाते से तीन अलग-अलग चेक के जरिए कुल 27 लाख रुपए अपने खातों में ट्रांसफर कर लिए, लेकिन एफडी नहीं कराई। आरोपी ने परिवार को गुमराह करने के लिए फर्जी एफडी दस्तावेज भी तैयार कर दिए, जिससे काफी समय तक ठगी का पता नहीं चल सका।

पुलिस ने ऐसे पकड़ा आरोपी:

मामले की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा और पुलिस उप अधीक्षक सांभरलेक अनुपम मिश्रा के निर्देशन में विशेष टीम गठित की गई। थाना प्रभारी राजेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने तकनीकी सहायता और सूचना संकलन के जरिए आरोपी विष्णु कुमार (30) निवासी फुलेरा को गिरफ्तार कर लिया।

रिमांड पर लेकर पूछताछ जारी:

पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर तीन दिन का रिमांड लिया है। पूछताछ के दौरान आरोपी से ठगी की पूरी रकम बरामद करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इस प्रकरण में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराओं 318(4), 319(2), 323 सहित अन्य प्रासंगिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

सुजानगढ़ में अवैध निर्माण पर सख्ती: तीन लोगों के खिलाफ इस्तगासे की सिफारिश, दो गोदाम मालिकों पर एफआईआर के निर्देश

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नगरपरिषद प्रशासन ने अवैध निर्माण और नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। आवासीय निर्माण की स्वीकृति लेकर व्यावसायिक उपयोग करने के मामलों में अब कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है। कार्यवाहक आयुक्त एवं तहसीलदार गिरधारीलाल पारीक ने नगरपरिषद के विधि सलाहकार एडवोकेट गोवर्धन चौधरी को पत्र जारी कर प्रतापसिंह, मदनलाल और धनराज चौरड़िया (निवासी एसबीआई बैंक के पास) के खिलाफ सक्षम न्यायालय में इस्तगासा पेश करने के निर्देश दिए हैं।

आवासीय स्वीकृति लेकर किया व्यावसायिक निर्माण:

जानकारी के अनुसार इन व्यक्तियों ने 3 सितंबर 2021 को आवासीय निर्माण की स्वीकृति ली थी, लेकिन बाद में स्वीकृत नक्शे और भवन निर्माण विनियम 2020 के विपरीत जाकर निर्माण को व्यावसायिक रूप दे दिया। इसे गंभीर उल्लंघन मानते हुए अब न्यायालय में मामला प्रस्तुत किया जाएगा।

सीज गोदाम खोलने पर एफआईआर की तैयारी:

इसी तरह नगरपरिषद की अनुमति के बिना संचालित तिरपाल गोदामों के खिलाफ भी कार्रवाई तेज कर दी गई है। आयुक्त ने थानाधिकारी को पत्र लिखकर गौरीशंकर माली (वार्ड नंबर 9) और रोशन अली खिची (चांद बास) के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। नगरपरिषद के अनुसार दोनों के गोदाम वर्ष 2024 में सीज किए गए थे, लेकिन आरोप है कि मालिकों ने सीज तोड़कर दोबारा गोदाम खोल लिए।

नियमों की अनदेखी पर सख्त संदेश:

नगरपरिषद प्रशासन की इस कार्रवाई को शहर में अवैध निर्माण और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त संदेश के रूप में देखा जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि नियमों के उल्लंघन पर आगे भी इसी तरह सख्ती जारी रहेगी।

नामदेव मंदिर में बाल संस्कार व सांस्कृतिक संध्या, बच्चों ने दी आकर्षक प्रस्तुतियां

योग, अनुशासन और जीवन मूल्यों पर दिए प्रेरक संदेश

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। भगवान परशुराम जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में विप्र फाउंडेशन की ओर से आयोजित अष्ट दिवसीय सेवा कार्यक्रमों के तहत शुक्रवार को शहर के नामदेव मंदिर में बाल संस्कार एवं सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाजसेवी सरोज पारीक की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विप्र फाउंडेशन के तहसील अध्यक्ष वैद्य महेन्द्र शर्मा ने बालक- बालिकाओं को नित्य योग व सूर्य नमस्कार के महत्व की जानकारी दी और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने का संदेश दिया। द्वितीय सत्र में डॉ. प्रभा पारीक ने प्रेरक प्रसंगों व शिक्षाप्रद कहानियों के माध्यम से बच्चों को संस्कारवान बनने और सकारात्मक सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया। तृतीय सत्र में कार्यक्रम अध्यक्ष सरोज पारीक ने बच्चों को सुव्यवस्थित दिनचर्या, अनुशासन और जीवन मूल्यों को अपनाने की सीख दी। उन्होंने कहा कि बचपन में डाले गए संस्कार ही भविष्य को मजबूत बनाते हैं। इस दौरान बालक-बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत सुंदर गीतों व प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजक पवन भोजक ने नामदेव मंदिर समिति व सभी आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नामदेव मंदिर अध्यक्ष विनोद खत्री, बजरंगलाल कोकचा, सागरमल झेडू, अनीता भोजक, जयकृष्णा, एकता माटोलिया, सावित्री शर्मा, अरुण झंवर, संतोष लखोटिया सहित अनेक नागरिक उपस्थित रहे।

तेजाजी महाराज मंदिर का भूमि पूजन, उमड़ी आस्था

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर के निकटवर्ती गांव कनवारी में शुक्रवार को लोक देवता तेजाजी महाराज के भव्य मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन कार्यक्रम सैकड़ों ग्रामीणों की मौजूदगी में श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय जाट महासभा के प्रदेशाध्यक्ष धर्मेन्द्र किलक मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विधि-विधान से पंडित धनेश शर्मा के सान्निध्य में मंदिर की धर्मशीला मुख्य यजमान हनुमानराम बाजिया ने सपत्नीक पूजा-अर्चना कर स्थापित की। इस दौरान पूरे वातावरण में धार्मिक भावनाओं का संचार हुआ। पूर्व जिला प सदस्य रामकिसन जाट ने बताया कि ग्रामवासियों के सहयोग से तेजाजी महाराज का भव्य मंदिर बनाया जाएगा। मंदिर परिसर में विद्यार्थियों के लिए एक हाईटेक पुस्तकालय का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिससे ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को अध्ययन की बेहतर सुविधा मिल सकेगी। प्रदेशाध्यक्ष धर्मेन्द्र किलक ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्य समाज को एकजुट करने के साथ-साथ नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने सभी ग्रामवासियों से मंदिर निर्माण में बढ़-चढ़कर सहयोग करने का आह्वान किया। इस अवसर पर रक्षपाल नायक, बजरंग लाल मील, मास्टर परसराम भंवरिया, समाजसेवी पवन सेवदा, सुरेन्द्र हुड्डा, अर्जुनराम कुलहरी, पूर्व पस रामकिसन, बलवीर बिजारणिया, मुकेश जाट आदि लोग मौजूद रहे।

2 दिन में 1535 हैंडपंप सुधरे, 2775 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

भजनलाल सरकार का विशेष अभियान सफल; गांव-गांव पहुंचा प्रशासन

पाइपलाइन लीकेज से लेकर जल योजनाओं तक किया प्रभावी समाधान

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान में ग्रामीण पेयजल व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए राज्य सरकार का दो दिवसीय विशेष अभियान असरदार साबित हुआ है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चलाए गए इस राज्यव्यापी अभियान ने न केवल जल समस्याओं की जमीनी पहचान की, बल्कि उनका त्वरित समाधान कर ग्रामीणों को बड़ी राहत भी पहुंचाई है।

2 दिन में हजारों समस्याओं का समाधान:

अभियान के तहत प्रदेशभर में व्यापक स्तर पर काम करते हुए 1,535 हैंडपंपों की मरम्मत की गई, वहीं 911 पाइपलाइन लीकेज को दुरुस्त किया गया। इसके अलावा 329 अन्य पेयजल सुधार कार्य भी पूरे किए गए। इन कार्यों से ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति अधिक सुचारू और निर्बाध हो सकी।

गांव-गांव पहुंचा प्रशासन, मौके पर समाधान:

इस अभियान की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि प्रशासन खुद गांवों तक पहुंचा। जिला कलेक्टर, उपखंड अधिकारी, तहसीलदार और विकास अधिकारियों ने जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की टीमों के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर निरीक्षण किया। मौके पर ही समस्याओं की पहचान कर उनका तुरंत समाधान किया गया, जिससे लोगों को राहत का वास्तविक अनुभव मिला।

जल योजनाओं की भी हुई गहन समीक्षा:

अभियान के दौरान कुल 2,677 कार्यों का निरीक्षण किया गया, जिनमें प्रमुख योजनाओं पर विशेष फोकस रहा–
जल जीवन मिशन के 407 कार्य
अमृत 2.0 योजना के 80 कार्य
77 ग्रीष्मकालीन कंटीन्जेंसी कार्य
इसके साथ ही बंद पड़े हैंडपंप और क्षतिग्रस्त पाइपलाइनों को प्राथमिकता से ठीक किया गया।

2775 शिकायतों का त्वरित निस्तारण:

करीब 450 तकनीकी टीमों ने 2,792 शिकायतें दर्ज कीं, जिनमें से 2,775 का मौके पर ही समाधान कर दिया गया। यह आंकड़ा प्रशासन की तेज कार्यशैली और बेहतर समन्वय को दर्शाता है।

गर्मी में राहत, सरकार की संवेदनशील पहल:

भीषण गर्मी के बीच पानी की समस्या को देखते हुए यह अभियान ग्रामीणों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि पेयजल जैसी बुनियादी जरूरत उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता में है।

जनसेवा का प्रभावी मॉडल बना अभियान:

यह पहल केवल प्रशासनिक कार्रवाई नहीं, बल्कि जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का मजबूत उदाहरण बनकर उभरी है। त्वरित समाधान, जमीनी निगरानी और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन ने ग्रामीण जल प्रबंधन को नई दिशा दी है।

सरकार का मानना है कि ऐसे अभियानों से आने वाले समय में प्रदेश के गांवों में जल आपूर्ति और अधिक सुदृढ़ व विश्वसनीय बनेगी।

तंवर की स्मृति में 11 लोगों ने किया रक्तदान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(निस)। बोदूराम तंवर की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धांजलि स्वरूप सुजानगढ़ के लायंस चैरिटेबल ट्रस्ट ब्लड बैंक में जाकर 11 लोगों ने रक्तदान किया। प्रेम तंवर ने बताया कि तिलोकचंद, कन्हैयालाल मारोठिया, जितेन्द्र सिंह, हरिराम, सोनू सिंह जिनरासर, रत्नसिंह कुलदीप सैनी, सज्जाद खान, मोहम्मद वाहिद, रामा किशन सैनी सहित 11 लोगों ने रक्तदान किया। स्वर्गीय तंवर के पुत्र नलिया बास निवासी प्रेम तंवर ने बताया कि मेरे पिताजी किसान थे, उनकी हमेशा आमजन के प्रति सहयोग की भावना रही थी। तंवर ने रक्तदान करने वाले दोस्तों को धन्यवाद देते हुए इसे रक्तदान सामाजिक जिम्मेदारी का प्रतीक बताया। साथ ही कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है, आपका दिया गया खून किसी के परिवार में खुशियाँ वापस ला सकता है।

कार व ऑटो की टक्कर में ऑटो तीन महिला सहित पांच घायल

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव उडसर लोडेरा के पास कार व ऑटो की टक्कर हो गई। सड़क हादसे में ऑटो सवार तीन महिलाओं सहित पांच जने घायल हो गए। सूचना पर मौके पर पहुंची 108 एंबुलेंस के पायलेट तेजपाल गिरी व ईएमटी संजय खींचड़ ने घायलों को 108 एंबुलेंस के सहयोग से राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। राजकीय उप जिला चिकित्सालय में डॉ संदीप बिजारणिया के नेतृत्व में नर्सिंग टीम ने घायलों का उपचार शुरू किया। जानकारी के अनुसार सरदारशहर से ऑटो में सवार होकर गांव भींवसर के रामचन्द्र पुत्र सुगनाराम उम्र 57 साल, प्रहलाद सिंह पुत्र बचनसिंह उम्र 65 साल, सुमन पत्नी प्रताप राम उम्र 35 साल, संतोष पत्नी बजरंगलाल उम्र 34 साल, सुमन रामकुमार उम्र 40 साल आदि सवार होकर गांव जा रहे थे कि सामने से आ रही एक कार से ऑटो की टक्कर हो गई। जिससे यह सड़क हादसा हो गया। सूचना पर अस्पताल पहुंची पुलिस ने घायलों के बयान लेकर आगे की जांच शुरू कर दी।

मौजास में विद्यालय संबलन के दौरान पक्षियों के लिए लगाए परिंडे

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। शहर के समीपवर्ती राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मौजास में शुक्रवार को सीबीईओ पवन कुमार, आरपी उत्तम दाधीच विद्यालय संबलन के लिए दौरा किया। प्रधानाचार्य सुशील कुमार ने बताया की अत्यधिक गर्मी के कारण व विद्यार्थी पर्यावरण व पक्षियों के प्रति अपने दायित्व समझ सके इसके लिए सीबीईओ टीम के नेतृत्व में विद्यालय में पक्षियों के लिए परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर व्याख्याता शीशराम पिलानिया, जितेंद्र मील, सुनील कुमार, बनिता कुमारी, राकेश एचरा, जय चंद भड़िया, हितेंद्र मीणा, शारीरिक शिक्षक योगेंद्र दुलड़,संजीव जानू,राकेश कांटीवाल, वंदना व संगीता भड़िया व महावीर सिंह उपस्थित रहे।

राजलदेसर में श्याम सेवा मित्र समिति की पहलः बस स्टैंड पर प्याऊ शुरू

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। भीषण गर्मी के बीच आमजन को राहत देने के उद्देश्य से श्री श्याम सेवा मित्र समिति, राजलदेसर ने सुभाष चौक बस स्टैंड पर शीतल पेयजल के लिए प्याऊ का शुभारंभ किया। इस सेवा कार्य का विधिवत शुभारंभ समिति अध्यक्ष देवकिशन सुथार के सानिध्य में पंडित बृजेश दाधीच की ओर से पूजा-अर्चना कर किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष देवकिशन सुथार ने कहा कि तपती गर्मी में राहगीरों और यात्रियों को ठंडा पानी उपलब्ध कराना ही सच्ची सेवा है। उन्होंने 'नर सेवा ही नारायण सेवा' का संदेश देते हुए बताया कि समिति हमेशा समाजहित के कार्यों के लिए प्रतिबद्ध है। इस पहल से जहां लोगों को गर्मी में राहत मिलेगी, वहीं समाज में सहयोग और एकता की भावना भी मजबूत होगी। समिति सदस्यों ने बताया कि श्याम भक्तों के सहयोग से क्षेत्र में भव्य श्याम मंदिर का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है, जो आने वाले समय में आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने श्रद्धालुओं से निर्माण कार्य में सहयोग की अपील भी की। साथ ही समिति द्वारा पर्यावरण संरक्षण के तहत लगातार वृक्षारोपण अभियान भी चलाया जा रहा है। कार्यक्रम में वीरेंद्र लाटा, एडवोकेट रोहित मारू, श्रवण सैनी, भगीरथ पारिक, विट्ठल दाधीच, तुलसीराम पांडे, खेमचंद पारिक, रतन स्वामी, जगदीश पुरोहित सहित अनेक श्याम भक्त व स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। समिति के सदस्यों ने भविष्य में भी ऐसे सेवा कार्य निरंतर जारी रखने का विश्वास दिलाया।

49 ग्राम स्मैक के साथ चाचा-भतीजा गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) व लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में शुक्रवार सुबह रेलवे स्टेशन के बाहर 49 ग्राम स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी आपस में चाचा-भतीजा हैं और बारां जिले के छीपाबडौद क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं।थानाधिकारी राजाराम लेघा ने बताया कि एएनटीएफ से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कार्रवाई की। संदिग्धों की तलाशी लेने पर पप्पूलाल पुत्र मांगीलाल (35) के कब्जे से 29 ग्राम तथा हरीश पुत्र रामस्वरूप के पास से 20 ग्राम स्मैक बरामद हुई। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी गांव पिपलिया अखेराज, थाना छीपाबडौद (जिला बारां) के निवासी हैं। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि दोनों नशे के आदी हैं और सीकर क्षेत्र में शादियों में वेटर व केटरिंग का कार्य करते रहे हैं। आरोपियों ने बताया कि वे यह मादक पदार्थ अपने गांव के एक व्यक्ति से लेकर आए थे और कोटा से ट्रेन के अनारक्षित डिब्बे में यात्रा कर लक्ष्मणगढ़ पहुंचे। आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्हें यह स्मैक रेलवे स्टेशन के बाहर एक व्यक्ति को सौंपनी थी, जिसका नाम उनके मोबाइल में 'पंडित/ब्राह्मण' के नाम से सेव है। उक्त व्यक्ति ने स्मैक को दुगुनी कीमत पर खरीदने की बात कही थी, लेकिन कार्रवाई की भनक लगते ही वह मौके पर नहीं पहुंचा और मोबाइल बंद कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना लक्ष्मणगढ़ में एफआईआर संख्या 82/2026 दर्ज कर धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एसएचओ बलारा विक्रम सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार फरार आरोपी की तलाश जारी है। साथ ही इस मामले से जुड़े अन्य संभावित तस्करों और सप्लाई नेटवर्क की गहन जांच की जा रही है।

भागवत कथाः सुकदेव, परीक्षित जन्म लीला का मार्मिक वर्णन

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। नगर पालिका के निकट महाजन पंचायत भवन में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन शुक्रवार को कथा व्यास आचार्या रजनीश्वरी मिश्रा ने सुकदेव जी और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का मार्मिक वर्णन किया। इस दौरान पंडाल में श्रद्धा और भक्ति का अद्भुत वातावरण रहा, जहां श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन में लीन रहे। कथा व्यास ने बताया कि सुकदेव जी का जन्म ज्ञान, वैराग्य और आत्मबोध का प्रतीक है। उन्होंने राजा परीक्षित के जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि मृत्यु के सामने होने पर भी भगवान की शरण में जाने से जीवन धन्य हो सकता है। उन्होंने भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मानव जीवन को संस्कारित करने, कर्तव्य बोध जगाने और भक्ति मार्ग की ओर प्रेरित करने का श्रेष्ठ माध्यम है। कथा श्रवण से मन की चंचलता शांत होती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। कथा का शुभारंभ मुख्य यजमान सरोज तुनवाल ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन कर कराया। उन्होंने पूरे श्रद्धाभाव से कथा का श्रवण किया। आयोजन स्थल पर सुसज्जित पंडाल, रंग-बिरंगे फूलों की सजावट, भजन-कीर्तन और शंख-घंटी की ध्वनि से वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। इस अवसर पर सीमा देवड़ा, गीता देवड़ा, संगीता टेलर, विजय टेलर, सरोज मोदी, सन्जू मिटावा, मंजू सैनी, राजूदेवी बागोंरिया सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं को भामाशाह मनोज भादूपोता की ओर से प्रसाद वितरित किया गया। सरोज तुनवाल ने बताया कि यह सात दिवसीय कथा प्रतिदिन नियत समय पर आयोजित की जा रही है, जिसमें क्षेत्र के लोग उत्साहपूर्वक सहभागिता कर रहे हैं।

आज होगा स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम

सुजानगढ़(नि.सं.)। स्थानीय धूम धड़ाका चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से शनिवार को स्कूल बैग वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। सेटलर ट्रस्टी बसन्त कुमार बोरड़ ने बताया कि स्टेशन रोड़ स्थित अग्रसेन भवन में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की अध्यक्षता एएसपी दिनेश कुमार करेंगे। जबकि मुख्य अतिथि के रूप में सीबीईओ सुनीता पुनियां मौजूद रहेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में पवन सोनी, एसीबीईओ रणजीत भींचर, नोपाराम मंडा, स्नेहप्रभा मिश्रा व खड़ग सिंह बांठिया मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम में बैंगलोर प्रवासी कमलेश-भरत डूंगरवाल के सौजन्य से बच्चों को स्कूली बैग उपलब्ध करवाए जाएंगे।

हमीरी कलां में कलेक्टर की रात्रि चौपालः जल जीवन मिशन में लापरवाही पर सख्ती, अतिक्रमण हटाने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। जिले की ग्राम पंचायत हमीरी कलां में गुरुवार रात जिला कलेक्टर डॉ. अरुण गर्ग की अध्यक्षता में रात्रि चौपाल का आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामीणों की समस्याओं को मौके पर सुनकर उनके समाधान के लिए संबंधित विभागों को दिशा-निर्देश दिए गए। चौपाल में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर पेयजल, सड़क, बिजली, स्वच्छता समेत विभिन्न समस्याएं रखीं। कलेक्टर ने चौपाल के दौरान जल जीवन मिशन की प्रगति की गहन समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है, इसलिए सभी कार्य तय समयसीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। लापरवाही मिलने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी। इस दौरान कलेक्टर ने ग्राम पंचायत क्षेत्र में बढ़ते अतिक्रमण पर भी चिंता जताई। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देशित किया कि सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई की जाए, ताकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो और आमजन को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। चौपाल में ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति में अनियमितता, खराब सड़कों, बिजली समस्या और सफाई व्यवस्था से जुड़ी शिकायतें रखीं। कलेक्टर ने मौके पर ही संबंधित विभागों के अधिकारियों को समस्याओं के त्वरित समाधान के निर्देश दिए और कहा कि आमजन की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कैलाशचंद्र यादव, सरपंच दीपक जानू, एसडीएम सुमन चौधरी, बीडीओ ममता चौधरी, आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक डॉ. जितेंद्र स्वामी, डीएसओ डॉ. निकिता राठौड़, सहायक अभियंता अमित चौधरी, तहसीलदार इमरान खान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध निर्माणों की जांच के लिए बनाई चार सदस्य कमेटी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नगरपरिषद क्षेत्र में अवैध निर्माणों की मौका रिपोर्ट तैयार करने के लिए कार्यवाहक आयुक्त गिरधारीलाल पारीक ने कमेटी का गठन किया है। जानकारी के अनुसार कमेटी की ओर से जांच की जायेगी कि आवासीय या व्यवसायिक निर्माण या भवन अनुमोचित मानचित्र के अनुरूप है या नहीं। इस कमेटी में मौका निरीक्षण के लिए सहायक अभियंता चारवी राव, सहायक अभियंता विक्रम जोरवाल को शामिल किया गया है। वहीं मास्टर प्लान की रिपोर्ट के लिए सहायक नगर नियोजक उदयसिंह, स्वामित्व सम्बंधी रिपोर्ट के लिए वरिष्ठ सदस्य लोकेश जांगिड़ को शामिल किया गया है।

सैनी समाज का समाज रत्न सम्मान समारोह कल

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। स्थानीय हनुमान पार्क के पास स्थित सैनी समाज अतिथि भवन में रविवार को प्रातः 10 बजे सैनी समाज का समाज रत्न सम्मान समारोहपूर्वक आयोजित किया जाएगा। रतनगढ़ सैनी समाज के अध्यक्ष हीरालाल खडोलिया ने बताया कि सैनी समाज के सभी पूर्व अध्यक्षों, सैनी समाज कर्मचारी अधिकारी सेवा संस्थान के सभी पूर्व अध्यक्षों, नवयुवक मंडल के सभी पूर्व अध्यक्षों, समाज के पत्रकारों, जनप्रतिनिधि मातृशक्ति व हमारे समाज के पूर्व संस्थान अध्यक्षो का सम्मान समारोहपूर्वक किया जाएगा।

सदीनसर में विराजीं करणी-नागणेच्या माता

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। शहर के निकटवर्ती गांव सदीनसर में नागणेच्या माता व माँ करणी माता की प्राण-प्रतिष्ठा शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुई। अभिजीत मुहूर्त में देशनोक से पधारे पुजारियों के सान्निध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच माता की मूर्तियों की विधिवत स्थापना की गई, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। देशनोक से आए विद्वान पंडित नरेंद्र मिश्रा, सुरेश पुरोहित, गौरी शंकर चूरा एवं जय किशन पुरोहित के वेदपाठ और शंखध्वनि के बीच प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। इसी अवसर पर नवनिर्मित विश्राम गृह एवं जल मंदिर का लोकार्पण भी किया गया। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद आयोजित विशाल भंडारे में सदीनसर सहित आसपास के गांवों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। पूरे दिन मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। इससे पूर्व गुरुवार को निकाली गई भव्य रथ यात्रा और रात्रि में आयोजित भजन संध्या ने क्षेत्र को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। महोत्सव के सफल आयोजन पर श्री करणी सेवा समिति के मुख्य संरक्षक उदय सिंह राठौड़ ने कहा कि यह आयोजन क्षेत्र की एकता और मातेश्वरी के प्रति आस्था का प्रतीक है। उन्होंने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा, बल्कि सामाजिक समरसता और जनसहभागिता का भी सशक्त उदाहरण बनकर उभरा।

गौ माता सम्मान व राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान शुरू

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। गौ माता सम्मान आह्वान अभियान के तहत शुक्रवार को कस्बे में हस्ताक्षर अभियान शुरू किया गया। गोपीनाथ जी मंदिर में वरिष्ठ नागरिकों की बैठक हुई और गौ माता सम्मान एवं राष्ट्रमाता का दर्जा दिलाने की मांग अभियान को अपना समर्थन दिया। इस दौरान श्रीराम ढंढ, अरविंद पारीक, पीतांबर मिश्रा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सोनी, डॉक्टर राधा रमन शर्मा, सुभाष बावलिया, भोला सिंह यदुवंशी, रविंद्र शर्मा, कैलाश सुरोलिया, संदीप शर्मा, सज्जन दिनवावाला, मनोज भादूपोता, सुरेश पालड़ीवाला, ज्ञान प्रकाश गोयनका, मनोज नरेडा, शंकर सुरोलिया, मधुसूदन खेमानी, बालकिशन भाटीवाड़ा, सुमन पारीक, किशोर सिंह राठौड़, जगदीश पारीक, प्रमोद देवड़ा, गोविंद शर्मा, गोविंद जोशी, राजेंद्र जोशी, विष्णु दुगोलिया, विष्णु जोशी, दिनेश देवड़ा, रमेश कौशिक, रमेश नागरका आदि मौजूद रहे। गौ माता को उचित सम्मान तथा राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने की मांग को लेकर सोमवार को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल व मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन दिया जाएगा।

शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण करने की मांग

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत उपशाखा सुजानगढ़ की ओर से शिक्षक नेता बनवारीलाल कुलहरी, शिवपाल राजियासर के नेतृत्व में तहसीलदार व कार्यवाहक आयुक्त गिरधारीलाल को जनगणना में लगी ड्यूटी को लेकर ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया गया है कि जनगणना में व्याख्याताओं और अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारियों को प्रगणक लगाया गया है, जबकि अध्यापकों को सुपरवाईजर लगाया गया है, जो कि पद की गरिमा के खिलाफ है। इसी प्रकार कुछ कार्मिकों को पदस्थापन से 50-70 किलोमीटर दूर लगाया गया है। इसी प्रकार कई स्कूलों के 100 प्रतिशत शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में लगा दी गई है, जिससे विद्यार्थियों की पढ़ाई चौपट होने लगी है। ज्ञापन में इन समस्याओं का निराकरण करने की मांग की गई है। इस अवसर पर लक्ष्मण नायक, सुधेंद्र जोशी, गोविंद भाटी, इकबाल खान, नरेंद्र स्वामी, कमल स्वामी, अभिषेक चौहान, सुरेश शर्मा, निखिल टेलर, दिनेश, गजानंद आदि मौजूद रहे।

एंपावर एजुकेशन फाउंडेशन गुड़गांव-बैंगलोर की ओर से चूरू में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। एंपावर एजुकेशन फाउंडेशन गुड़गांव-बैंगलोर की ओर से शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर कस्तुरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में बालिकाओं को शिक्षण सामग्री वितरित की गई। इस दौरान फाउंडेशन प्रमुख आशीष गोटेवाला सहित उनकी पूरी टीम उपस्थित रही। इस अवसर पर विश्वनाथ गोटेवाला, मुरारीलाल गोटेवाला, सुमित्रा गोटेवाला, आशीष गोटेवाला व ओमप्रकाश फगेड़िया मंचस्थ अतिथि थे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका बनिता चाहर ने अतिथियों का स्वागत किया। नोडल प्राचार्य मुकुल भाटी ने केजीबीवी की विशेषताओं और आवश्यकताओं के बारे में जानकारी दी। विश्वनाथ गोटेवाला ने इस प्रकार के परोपकार के कार्यों को निरंतर जारी रखने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए आशीष गोटेवाला ने कहा कि फाउंडेशन समय-समय पर इस प्रकार के कार्य कई वर्षों से करवा रहा हैं और आगे भी जारी रखेंगे। कार्यक्रम का संचालन कृष्णा पचार ने किया।

महानंदेश्वर भगवान शिव परिवार की मूर्ति स्थापना आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के निकटवर्ती कस्बें रतननगर के गणगौरी गेट स्थित बालाजी मंदिर में शुक्रवार को भगवान शिव परिवार की मूर्ति स्थापना का आयोजन किया गया। पं. ललित सहल ने वैदिक मंत्रोच्चार से विधिवत् पूजा-अर्चना करवाई। नथमल महर्षि ने बताया कि धनवंतरी प्रसाद महर्षि की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी सीता देवी की ओर से मंदिर में शिव परिवार की मूर्ति स्थापना करवाई। इस अवसर पर गोपाल महर्षि, किरण महर्षि, संतोष कुमार महर्षि व माया महर्षि मुख्य यजमान थे। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय ओर नंदीश्वर भगवान की मूर्ति स्थापना की गई। इस अवसर पर नारायण प्रसाद, डेडराज, चिरंजीलाल, मुकेश सुरेश, पूर्णमल, राकेश, जगदीश, राजेंद्र, दिव्यम, शालिनी सहित बड़ी संख्या में कस्बें के नागरिक उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर कल

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। कस्बे में पाचीलाल टोकसिया की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन रविवार को होगा।मंगतुराम टोकसिया ने बताया कि सैन भवन राजलदेसर में शिविर सुबह 10 बजे से 4 बजे तक किया जाएगा।

MUNICIPAL BOARD CHHAPAR (CHURU) RAJ.
E-mail id:- nagarpalikachhapar@yahoo.in Phone no. 01568-242099

Sr. No. :-NPCHH./2026/202 Date :- 21.04.2026

Notice Inviting Bid

Bid for Annual work of subject matter(s) of Procument) are invited from interested bidders upto 27-04-2026, 11.00 A.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the department website.

NIB Code - DLB2627A0774
UBN Code - DLB2627GSOB02253, DLB2627GSOB02254, DLB2627GSOB02260, DLB2627GSOB02262, DLB2627GSOB02263, DLB2627SSOB02248, DLB2627SSOB02252, DLB2627SSOB02255, DLB2627SSOB02256, DLB2627WSOB02247, DLB2627WSOB02249, DLB2627WSOB02250, DLB2627WSOB02251, DLB2627WSOB02257, DLB2627WSOB02258, DLB2627WSOB02259, DLB2627WSOB02261

Raj.Samwad/C/26/1516 Executive officer

जालोर जिला मुख्यालय पर हवाई हमले और आगजनी की मॉकड्रिल

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। जिला मुख्यालय पर हवाई हमले और आगजनी की मॉकड्रिल के दौरान एक व्यक्ति की मृत्यु तथा 11 लोग घायल हुए है। इस घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेश मेवाड़ा, पुलिस उप अधीक्षक गौतम जैन सहित पुलिस प्रशासन, चिकित्सा और आपदा प्रबंधन की टीमें तत्काल मौके पर पहुंची। घायलों को एम्बुलेंस की सहायता से अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ उनका उपचार जारी है। मौके पर राहत और बचाव कार्य तेजी से चलाया गया। प्रशासन ने स्थिति को तत्काल नियंत्रण में लेते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। यह पूरा घटनाक्रम एक मॉकड्रिल का हिस्सा था, जिसका उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में विभिन्न विभागों की तैयारियों, समन्वय और त्वरित कार्यवाही का परीक्षण करना था। मॉकड्रिल के माध्यम से आमजन को भी आपदा के समय सतर्क रहने और प्रशासन का सहयोग करने का संदेश दिया गया।

बाबा माखनदास जी की पुण्यतिथि पर मनीराम का पुरा में भागवत कथा, आज होगा भंडारा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। चंबल क्षेत्र के जन-जन के आराध्य संत बाबा माखनदास जी महाराज की प्रथम पुण्यतिथि के अवसर पर धौलपुर स्थित श्री माखन दास धाम, मनीराम का पुरा में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 18 अप्रैल से शुरू होकर 25 अप्रैल 2026 तक चलेगा, जिसका समापन विशाल प्रसादी भंडारे के साथ होगा।

भागवत सप्ताह के दौरान कथा का वाचन वृंदावन के कथा व्यास आचार्य त्रयम्बकेश्वर चैतन्य जी महाराज के मुखारविंद से किया जा रहा है। आयोजन महंत शिवराम दास जी महाराज के नेतृत्व में संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ 18 अप्रैल को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। पूरे सप्ताह धाम परिसर में भक्ति, कथा और धार्मिक अनुष्ठानों का माहौल बना हुआ है। भागवत सप्ताह के सफल संचालन एवं 25 अप्रैल को होने वाले विशाल भंडारे की तैयारी को लेकर आयोजन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनीराम का पुरा धाम, किसरोली धाम और वृंदावन धाम के संतों के साथ आसपास के गांवों के श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस दौरान सर्वसम्मति से बरेह, सिंघवाली, रहसेना, लालपुर, सामौर, मेहदपुरा एवं चीलपुरा पंचायतों के ग्रामीणों को भंडारे की विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी गईं। आयोजक समिति ने धौलपुर, आगरा, मुरैना सहित देशभर के धर्मप्रेमियों से भंडारे में शामिल होकर प्रसादी ग्रहण करने का आह्वान किया है। श्री माखन दास धाम, मनीराम का पुरा धौलपुर जिला मुख्यालय से लगभग 14 किलोमीटर दूर स्थित है। यहां धौलपुर से राजाखेड़ा मार्ग पर जाटौली और वरेह गांव होते हुए आसानी से पहुंचा जा सकता है।

सुनसान गली में महिला से छेड़छाड़ का मामला सुलझा, 7 दिन में आरोपी गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। शहर में अल सुबह काम पर जा रही एक तलाकशुदा महिला से सुनसान गली में छेड़छाड़ और मारपीट के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने महज सात दिन में पर्दाफाश कर दिया। महिला थाना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया है। पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में की गई इस कार्रवाई में महिला थाना टीम ने कई दर्जन सीसीटीवी फुटेज खंगालने और मानवीय सूचना के आधार पर आरोपी की पहचान की। पुलिस के अनुसार 15 अप्रैल 2026 को एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 11 अप्रैल की सुबह करीब 5:30 बजे काम पर जा रही थी। वह एक गली में जा रही थी जहां एक युवक ने उसे पकड़ लिया, विरोध करने पर गला दबाकर मारपीट की और अश्लील हरकतें करने लगा। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग आ गए, जिससे आरोपी मौके से फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी विकास सांगवान ने तुरंत आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा व एडीएफ बाड़ी कमल कुमार जांगिड़ के सुपरविजन में महिला थाना प्रभारी सहीराम यादव के नेतृत्व में टीम गठित की गई। अनुसंधान अधिकारी अजहरुद्दीन ने टीम के साथ इलाके के सभी रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्ध व्यक्तियों की जानकारी जुटाई। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी शाहिद पुत्र सलीम कुरैशी निवासी कसाईपाड़ा, पुराना शहर थाना कोतवाली धौलपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने नशे की हालत में वारदात करना स्वीकार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच जारी रखी है।

एक एमवीए तक की उत्पादन इकाइयों के लिए अब विद्युत निरीक्षण की जरूरत नहीं

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। राज्य सरकार ने 33 केवी तक के विद्युत कनेक्शनों तथा उत्पादन इकाइयों की सुरक्षा जांच व प्रमाणीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाते हुए नई गाइडलाइन जारी की है। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सुरक्षा व विद्युत आपूर्ति से संबंधित उपाय) विनियम 2023 के अन्तर्गत यह बड़ा बदलाव किया गया है जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस की दिशा में राज्य सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय है। इस संबंध में ऊर्जा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक अब 1 एमवीए क्षमता तक की उत्पादन इकाइयों, जिसमें सोलर व पवन सहित नवीकरणीय ऊर्जा के स्रोत भी शामिल हैं का अब स्व प्रमाणीकरण किया जा सकेगा। इसके लिए विद्युत निरीक्षक के प्रमाणन की आवश्यकता नहीं होगी। संबंधित उपभोक्ता, परिसर का मालिक या आपूर्तिकर्ता इसे स्व प्रमाणित कर सकेंगे कि उनका प्लांट सुरक्षा मानकों के अनुरूप है। हालांकि उपभोक्ता को यह विकल्प भी दिया गया है कि वह चाहे तो विभागीय पोर्टल के माध्यम से विद्युत निरीक्षक से जांच करवा सकता है। अधिसूचना के अनुसार विद्युत निगम अथवा विद्युत आपूर्तिकर्ता तब तक किसी भी विद्युत प्रतिष्ठान को तब तक विद्युतीकृत नहीं करेगा, जब तक कि विभागीय पोर्टल पर स्व प्रमाणीकरण अथवा विद्युत निरीक्षक का प्रमाण पत्र अपलोड नहीं हो जाता। हालांकि एक एमवीए क्षमता से अधिक की विद्युत उत्पादन इकाइयों को विभागीय पोर्टल के माध्यम से विद्युत निरीक्षक से प्रमाणीकरण कराना आवश्यक होगा।

लू तापघात को लेकर गंभीरता से करें कार्य- डॉ. धर्मसिंह मीणा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(निस)। चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित योजनाओं और कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर शुक्रवार को सरमथुरा में उपखंड स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संस्थागत प्रसव, नियमित टीकाकरण, हाइपरटेंशन व डायबिटीज स्क्रीनिंग, लू-तापघात प्रबंधन, मौसमी बीमारियों की रोकथाम, टीबी मुक्त भारत 100 दिवसीय अभियान तथा एचपीवी टीकाकरण की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. धर्मसिंह मीणा ने सभी योजनाओं की बिंदुवार समीक्षा करते हुए अधिकारियों से प्रगति रिपोर्ट ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

अधिक से अधिक लोगों की हो स्क्रीनिंग:

सीएमएचओ डॉ. मीणा ने निर्देश दिए कि जिले में 30 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक व्यक्ति की हाइपरटेंशन एवं शुगर की नियमित स्क्रीनिंग सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक चिकित्सा संस्थान को दैनिक लक्ष्य निर्धारित कर उसकी मॉनिटरिंग की जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में सप्ताह में कम से कम एक शिविर आयोजित कर अधिकाधिक लोगों को लाभान्वित किया जाए। साथ ही, आशा कार्यकर्ताओं द्वारा भरे गए सीबीएसी फॉर्म के आधार पर स्क्रीनिंग के बाद समयबद्ध फॉलो-अप भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

टीकाकरण की रिपोर्टिंग में पारदर्शिता आवश्यक:

जिन संस्थानों में टीकाकरण की प्रगति कमजोर पाई गई, उनकी समीक्षा करते हुए उन्होंने पोर्टल पर समय पर और सही डाटा प्रविष्टि सुनिश्चित करने को कहा। संस्थागत प्रसव में गिरावट दिखाने वाले चिकित्सा संस्थानों के प्रभारी अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

एचपीवी टीकाकरण में तेजी लाने के निर्देश:

बैठक में एचपीवी टीकाकरण की प्रगति की समीक्षा करते हुए डॉ. मीणा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि लक्षित आयु वर्ग की बालिकाओं का शत-प्रतिशत टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाई जाए तथा अभिभावकों को प्रेरित कर टीकाकरण की गति में तेजी लाई जाए। साथ ही, टीकाकरण से वंचित लाभार्थियों की सूची तैयार कर विशेष अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए।

लू-तापघात को लेकर रखें व्यापक इंतजाम:

सीएमएचओ ने कहा कि सभी चिकित्सा संस्थानों में लू-तापघात से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। मरीजों के लिए अलग वार्ड, पर्याप्त पेयजल, दवाइयों की उपलब्धता और त्वरित उपचार की व्यवस्था अनिवार्य रूप से हो। साथ ही डेंगू व मलेरिया की रोकथाम को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, सभी चिकित्सा अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध झोलाछाप के खिलाफ अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सीएमएचओ डॉ. मीणा ने दिए गए निर्देशों की समयबद्ध पालना सुनिश्चित करने के लिए सभी चिकित्सा अधिकारी प्रभारियों को निर्देशित किया। बैठक के दौरान जिला प्रजनन व शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शिव कुमार शर्मा, बीसीएमओ डॉ. गोरेलाल मीणा, डीपीओ शशांक वशिष्ठ सहित सभी चिकित्सा अधिकारी प्रभारी व एएनएम उपस्थित रहे।

आरएएस बनने पर दीक्षिता का भारत विकास परिषद ने किया अभिनन्दन

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। भारत विकास परिषद जालोर की ओर से गुरुवार को राजस्थान प्रशासनिक सेवा आरएएस 2024 में 266 वी रैंक प्राप्त करने पर दीक्षिता वैष्णव का उनके पैतृक निवास राजेंद्र नगर कॉलोनी, जालोर में साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय महिला संयोजक मधु शेखावत में जालोर को गौरवान्वित करने वाली दीक्षिता वैष्णव की ओर से पूर्ण लगन व कठिन परिश्रम से प्राप्त की गई। इस उपलब्धि पर मोमेंटो भेंट करते हुए अत्यंत हर्ष व्यक्त किया तथा युवा पीढ़ी को विशेष परिश्रम करने के लिए अवगत कराया।

परिषद के पूर्व संस्थापक अध्यक्ष डॉ. हेमंत जैन ने इस उपलब्धि के प्रेरणा स्रोत उनके माता-पिता के सहयोग को नमन करते हुए प्रेरणादायक बताया और माता ललिता देवी एवं पिता दिनेश कुमार वैष्णव जो कि शिक्षा जगत से जुड़े हुए हैं का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया। दीक्षिता वैष्णव ने अपनी इस उपलब्धि के लिए माता-पिता की प्रेरणा लगन व मेहनत से पढ़ाई एवं लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता को बताया। परिषद की महिला संयोजक सीता सुन्देशा ने दीक्षिता का मुंह मीठा करवा कर बधाई दी। इस अवसर पर परिषद के प्रांतीय महिला संयोजक मधु शेखावत, पूर्व संस्थापक अध्यक्ष डॉ. हेमंत जैन, अध्यक्ष राजेंद्र भूतड़ा, सचिव शांतिलाल सोनी, प्रेम सिंह राठौड़, मिश्रीमल गर्ग, प्रेम कुमार परमार, जगदीश अग्रवाल, महेंद्र आनंद वैष्णव, पदमाराम माली, पुखराजसिंह चौधरी, सीता सुंदेशा,प्रीति हाडा, पूजा शर्मा, सविता परमार, लहरी देवी वैष्णव सहित उनके परिवार के सदस्य मौजूद रहे।

सुंधा माता पहाड़ी पर स्थित रोप-वे में यात्रियों के फंसने की सूचना पर प्रशासन ने की सफल मॉक ड्रिल

रोप-वे अटकने की जानकारी पर एनडीआरएफ, एसडीआरफ व मेडिकल टीमें पहुंची मौके पर

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। जसवंतपुरा के सुंधा पर्वत स्थित सुंधा माता मंदिर रोप-वे अटकने से 4 यात्रियों के फंसने की सूचना पर अतिरिक्त जिला कलक्टर भीनमाल डॉ. पूजा सक्सेना, एनडीआरएफ के सहायक कमांडेंट प्रवीण कुमार, जसवंतपुरा उपखण्ड अधिकारी प्रीति चक, उप पुलिस अधीक्षक भवानीसिंह इंदा, तहसीलदार नीरज कुमारी, बीसीएमओ डॉ. प्रशान्त सेन, जसवंतपुरा थानाधिकारी गुमानसिंह, ट्रस्ट के व्यवस्थापक जितेन्द्र सिंह व रोप-वे प्रबंधक प्रहलाद राय अग्रवाल सहित प्रशासनिक अधिकारियों, एनडीआरएफ व एसडीआरएफ टीम व मेडिकल टीम ने मौके पर पहुँच कर रोप-वे बंद करवाया और आपातकालीन स्थिति होने पर किए जाने वाले बचाव कार्यो के मॉक ड्रिल का सफल प्रदर्शन किया। मॉक अभ्यास के दौरान टीमों ने अपने साथ लाए गए बचाव संबंधित उपकरणों व भिन्न-भिन्न प्रकार के तरीकों से रोप-वे पर आपातकाल में फंसे लोगों को बचाने का सफल प्रदर्शन किया जिसमें लोगों का रोप-वे एवेकुशन व घायल लोगों का मौके पर चिकित्सा उपचार देकर स्टेबल किया गया और फंसे लोगों को शीट रेपिंलग, रस्सी व सीट हारनेस के माध्यम से निकाला गया। जरूरतमंद व्यक्ति को सीपीआर देने व अग्निशमन यंत्रों के समुचित इस्तेमाल को लेकर एनडीआरएफ टीम की ओर से डेमोस्ट्रेशन दिया गया। इस दौरान ट्रस्ट सदस्य, पुलिस, रोप-वे टीम, पीएचईडी व सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारी, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, भू-अभिलेख निरीक्षक, पटवारी, मेडिकल टीम, फायर ब्रिगेड टीम उपस्थित रही।

पाथेड़ी में गाजे-बाजे के साथ बिराजी चामुण्डा माता

चामुण्डा माता व बाबा रामदेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की पूर्णाहुति

फले चुंदड़ी कार्यक्रम में उमड़े हजारों की संख्या में श्रद्धालु

जयपुर टाइम्स

जालोर(निस)। जिले के सायला उपखण्ड के पाथेड़ी में नवनिर्मित श्रीचामुण्डा माता व बाबा रामदेव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के पूर्णाहुति समारोह धूमधाम से सम्पन्न हुआ। प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर शुक्रवार को साधु-संतों के सान्निध्य में मंदिर के शिखर पर स्वर्ण कलश स्थापित करने, ध्वजा चढ़ाने और मूर्तियों को विराजमान करने समेत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर सवेरे से ही लाभार्थी परिवारों के गाजे-बाजे के साथ वरघोड़े के रूप में झूमते हुए सजधज कर प्रतिष्ठा स्थल पहुँचने का सिलसिला शुरू हो गया था। सवेरे साढे सात बजे तक पूरा मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भर गया। इस दौरान मंदिर परिसर में भीड़ इतनी थी कि पैर रखने तक के लिए जगह कम पडने लगी थी। प्रतिष्ठा के साक्षी बनने के लिए श्रद्धालु आसपास के घरों की छतों पर चढ़ गए। इसके बाद शुभ मुहूर्त में पंडितों के आचार्यत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रतिष्ठा कार्यक्रम शुरू किया गया। सर्वप्रथम मंदिर के गर्भ गृह में चामुण्डा माता व बाबा रामदेव की मूर्ति को लाभार्थी परिवार की ओर से विराजमान किया गया। इसी तरह शिखर पर स्वर्ण कलश, अमर ध्वजा व अन्य देवी देवताओं को स्थापित करने की रस्म को पूर्ण किया गया। ज्यों ही मूर्तियों की स्थापना की गई तथा ध्वजारोहण किया गया। श्रद्धालुओं ने चामुण्डा माता व बाबा रामदेव के जयघोष लगाने शुरू किए। वहीं बैंडबाजों की सुमधुर स्वर लहरियों पर युवक-युवतियां झूमने लगे। जिससे पूरा वातावरण धर्ममय हो गया। प्रतिष्ठा के बाद विभिन्न चढ़ावों के लाभार्थी परिवारों की ओर से पूजा अर्चना व अन्य धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इस दौरान साधु-संतों और आसपास के गांवों से हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

फले चुंदड़ी में उमड़ा आस्था का ज्वार:

नवनिर्मित चातुण्डा माता व बाबा रामदेव मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के तहत शुक्रवार को समस्त ग्रामवासियों की ओर से फले चुंदड़ी का आयोजन किया गया। जिसमें पाथेड़ी सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ भाग लिया तथा प्रसादी ग्रहण की।

हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा

प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा आकर्षण की केंद्र रही। मंदिर के शिखर पर लाभार्थी परिवारों की ओर से स्वर्ण कलश स्थापित करने तथा ध्वजा चढ़ाते ही हैलीकॉप्टर से चढ़ावे के लाभार्थी परिवार ने पुष्प वर्षा की। हैलीकॉप्टर ने पूरे गांव के चारों तरफ परिक्रमा की।

पंचायत चुनाव को लेकर धौलपुर में कांग्रेस का धरनाः 'चुनाव कराओ, लोकतंत्र बचाओ' का नारा

जयपुर टाइम्स

धौलपुर(नि.सं.)। पंचायती राज दिवस के अवसर पर धौलपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव शीघ्र कराने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के बैनर तले स्थानीय गांधी पार्क में 'चुनाव कराओ, लोकतंत्र बचाओ' अभियान के तहत धरना दिया गया और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बाड़ी विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी प्रशांत परमार रहे, जबकि अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष रविंद्र परमार ने की।

'सरकार लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को टाल रही':

धरने को संबोधित करते हुए प्रशांत परमार ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार पंचायती राज संस्थाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव टालकर लोकतंत्र को कमजोर कर रही है। उन्होंने कहा कि बार-बार न्यायालय के आदेशों की अवहेलना कर संवैधानिक दायित्वों का निर्वहन नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का सपना 'ग्राम स्वराज' था, लेकिन वर्तमान सरकार पंचायती राज संस्थाओं को कमजोर कर उस सोच पर आघात पहुंचा रही है।

गांव-गांव तक चलेगा आंदोलन

जिला अध्यक्ष रविंद्र परमार ने कहा कि संगठन पूरे जिले में पंचायत मुख्यालय स्तर तक बैठकें आयोजित करेगा और चुनाव नहीं कराए जाने के विरोध को गांव-गांव तक ले जाया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि आगामी चुनावों में कांग्रेस पार्टी बहुमत के साथ पंचायत और स्थानीय निकायों में अपना प्रतिनिधित्व स्थापित करेगी। प्रदेश प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि पूरे राजस्थान में जिला मुख्यालयों पर इसी तरह धरना-प्रदर्शन कर सरकार से जल्द चुनाव कराने की मांग की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव नहीं कराना लोकतंत्र के साथ अन्याय है। धरने में वरिष्ठ कांग्रेस नेता अमित मुद्गल, महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष लीना शर्मा, सेवा दल की अध्यक्ष समृद्धि दीक्षित, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष ऋषि मित्तल, अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश सचिव सुलेमान फारुकी, ब्लॉक अध्यक्ष पुष्पेंद्र भारद्वाज व राजेश कुशवाहा सहित कई नेताओं ने संबोधित किया। प्रदेश महासचिव पंकज तिवारी, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष शिबू लोधा, वरिष्ठ नेता बोवी जगरिया, जनक सिंह लोधा और नगर अध्यक्ष बनवारीलाल जाटव ने भी पंचायत चुनावों में देरी को लोकतंत्र के लिए नुकसानदायक बताया।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

कार्यक्रम में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि यदि जल्द पंचायत और स्थानीय निकाय चुनाव नहीं कराए गए तो उपखंड से लेकर जिला स्तर तक उग्र आंदोलन किया जाएगा। धरने में विष्णु परमार, लव कपासिया, अभिषेक यादव, अभिषेक सक्सेना, गुड्डु कुरैशी, वकील खान, भगवान सिंह जाटव, रुस्तम सिंह, मुन्ना अब्बासी, कप्तान सिंह, रईस खान, सोनू शेख, राजू पहाड़िया, आमिर खान, जितेंद्र, अमित अग्रवाल, असलम खान, गिरिराज सिंह, अमित परमार, प्रेम सर खान, धर्मेंद्र सिंह, प्रदीप सिंह तोमर, मदनलाल, प्रशांत मौर्य, रोहित कुमार, इमरान खान, विकास परमार सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

fulera.jaipur@yahoo.com — Ph. 01425-284024
क्रमांक :- न. पा. फु/ 2026-27/244 — दिनांक:- 24/04/2026

-: आपत्ति सूचना :-

एतद् द्वारा हितबद्ध व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने नामान्तरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है।

क्र.स.	प्रार्थी का नाम	आवंटी का नाम	स्थान	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1.	श्री महेन्द्र कुमार कुमावत पुत्र श्री गोपाल लाल कुमावत	श्री विकास वर्मा पुत्र श्री सत्यनारायण वर्मा	आवासीय भूखण्ड न. 16 वाके महावीर नगर तृतीय बालाजी रोड फुलेरा	111.11	नामान्तरण

किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार नामान्तरण के अन्तर्गत ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्त्ता को प्रस्तुत करावे। बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, फुलेरा जिला जयपुर

fulera.jaipur@yahoo.com — Ph. 01425-284024
क्रमांक :- न. पा. फु/ 2026-27/241 — दिनांक:- 24/04/2026

-: आपत्ति सूचना :-

एतद् द्वारा हितबद्ध व्यक्ति विशेष, आम खास को सूचित किया जाता है कि निम्न व्यक्तियों ने नामान्तरण हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया है।

क्र.स.	प्रार्थी का नाम	आवंटी का नाम	स्थान	क्षेत्रफल वर्गगज	प्रयोजनार्थ
1.	श्री सीताराम शर्मा पुत्र श्री नारायण लाल शर्मा	श्री हीरालाल माली पुत्र श्री श्रवण लाल माली	आवासीय भूखण्ड न. 163 वाके हरदेव जोशी कोलोनी फुलेरा	152.77	नामान्तरण

किसी भी व्यक्ति को उपरोक्तानुसार नामान्तरण के अन्तर्गत ईजाजत बाबत आपत्ति हो तो आपत्ति आमंत्रण सूचना जारी होने की तिथि से 7 दिवस के अन्दर मयाद विधिमान्य दस्तावेजों सहित लिखित में आपत्ति कार्य दिवस के दौरान कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षकर्त्ता को प्रस्तुत करावे। बाद मयाद गुजरने आपत्ति मान्य नही होगी ।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका मण्डल, फुलेरा

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, शनिवार
25 अप्रैल, 2026

स्काउट संघ ने किया परिण्डा अभियान का शुभारंभ

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। राज्य मुख्यालय की योजना के अनुसार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी स्थानीय संघ रतनगढ़ की ओर से परिण्डा अभियान का शुभारंभ मुख्य ब्लाक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पंचायत समिति रतनगढ़ में स्थानीय संघ के प्रधान संतोष कुमार इन्दौरिया ने शुभारंभ किया। इस अवसर स्थानीय संघ के प्रभारी सहायक जिला आयुक्त स्काउट संदीप कुमार व्यास सीबीईओ रतनगढ़ ने बताया कि मुक पक्षियों के लिए इस भीषण गर्मी में पानी व दाने की व्यवस्था प्रत्येक विद्यालय में हो और स्थानीय संघ रतनगढ़ की ओर से रतनगढ़ तहसील परिक्षेत्र में 2100 परिडे लगाने का लक्ष्य लिया है। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता सेवानिवृत्त सीबीईओ कुलदीप व्यास ने मुक प्राणियों की सेवा को ईश्वरीय सेवा बताया। इस अवसर पर कार्यालय परिसर में परिण्डे लगाकर उचित देखभाल की जिम्मेदारी दी गई। पूर्व सचिव नरेंद्र स्वामी ने सभी से घरों की छत और पास के वृक्षों पर अधिक से अधिक परिण्डे लगाने की अपील की। स्थानीय संघ के अध्यक्ष विक्रम सिंह चौहान ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सहायक जिला कमिश्नर हरवंश लाल जानू, विनोद कुमार जांगिड़, नरेंद्र सांकृत्य प्रधानाचार्य, लेखाधिकारी अरविंद शर्मा, स्थानीय संघ के ट्रेनिंग काउंसलर डूंगराराम प्रजापत, मोहन लाल प्रजापत, सत्यनारायण टेलर, रोहित प्रजापत, पूनम सैन, सूर्य प्रताप नायक, पूनम चंद शर्मा, भोपाल सिंह, चाहना सैन आदि उपस्थित रहे। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ रतनगढ़ के सचिव राकेश कुमार ने यह जानकारी दी।

बैद अतिथि गृह का भूमि पूजन व शिलान्यास

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। अपना घर आश्रम के संरक्षक ट्रस्टी भामाशाह जोधराज बैद के आर्थिक सौजन्य से आश्रम परिसर में बनवाए जा रहे बैद अतिथि गृह का भूमि पूजन एवं शिलान्यास शुक्रवार प्रातः विधि - विधान पूर्वक किया गया। भामाशाह प्रेरक और आश्रम ट्रस्ट के सचिव कुलदीप व्यास ने बताया कि पंडित राकेश आत्रेय के आचार्यत्व में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष नरेंद्र झंवर और सुनीता झंवर ने भूमिपूजन और देवपूजन किया। आश्रम के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. विजय प्रकाश गोयल ने आधार शिला रखते हुए दानदाता बैद परिवार व आश्रम संचालन से जुड़े समस्त सहयोगियों का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि अपने परिवार से जुड़े विशेष दिवसों को आश्रम में निवासरत प्रभुजनों के साथ मनाने के लिए आश्रम में आने वाले अतिथियों की सुविधार्थ बनवाए जा रहे इस अतिथि गृह में जन्म दिवस , वैवाहिक वर्षगांठ, पुण्य तिथि जैसे आयोजन तथा महापुरुषों से संबंधित कार्यक्रमों के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध रहेंगी। इस अवसर पर समाजसेवी मोतीलाल तातेड़, प्रताप बोथरा, महावीर रामगढ़िया, ललिता रामगढ़िया, सुनीता व्यास, लीलाधर सराफ, शिवलाल सिंह ढेवा, एड रामावतार ठठेरा, ओमप्रकाश शर्मा, श्याम सुंदर जोशी ,पूर्व सरपंच मगाराम महला, पूनम चंद दूगड़, सांवरमल बड़जाती, गोविंदराम ढाका, हेमंत प्रजापत, अंकित जांगिड़, हेमंत रूंथला, ठेकेदार भोजराज प्रजापत आदि उपस्थित रहे।

चलती पिकअप में लगी आग, मिनटों में बनी राख

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। शहर के तारानगर रोड स्थित उडसर-लोडेरा गांव के पास शुक्रवार को एक चलती पिकअप के इंजन में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी पिकअप जलकर खाक हो गई। जानकारी के अनुसार अहमदाबाद से तार भरकर भटिंडा जा रही पिकअप में अचानक धुआं उठने लगा। स्थिति को भांपते हुए चालक संतोष कुमार शर्मा निवासी भनीण (तारानगर) ने सूझबूझ दिखाते हुए वाहन को तुरंत सड़क किनारे खड़ा किया और सुरक्षित बाहर निकल गया। चालक ने घटना की सूचना पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। इस दौरान मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों ने पिकअप में भरे तार को बचाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी तेजी से फैली कि आधा सामान भी जलकर राख हो गया। दमकल जब तक मौके पर पहुंची, तब तक पिकअप पूरी तरह जल चुकी थी। बाद में दमकलकर्मियों ने पानी डालकर आग पर काबू पाया। चालक संतोष कुमार शर्मा ने पुलिस थाने में रिपोर्ट देकर कार्रवाई की मांग की है। आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है, हालांकि स्थानीय लोगों का मानना है कि भीषण गर्मी इसकी वजह हो सकती है। क्षेत्र में इन दिनों तापमान करीब 42 डिग्री तक पहुंच रहा है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फांसी पर लटका मिला शव; परिजनों ने उकसाने का लगाया आरोप, हिस्सेदारी विवाद में मौत की आशंका

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। क्षेत्र के रामसीसर भेडवाडिया गांव की रोही में एक युवक का शव फांसी के फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। मामला फसल हिस्सेदारी को लेकर चल रहे विवाद से जुड़ा बताया जा रहा है। परिजनों ने युवक को आत्महत्या के लिए उकसाने, धमकी देने और मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस के अनुसार बन्धनाऊ निवासी भागूराम पुत्र निराणाराम मेघवाल ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके भाई राकेश ने रामसीसर भेडवाडिया में किशनलाल उर्फ

कृष्ण ख्यालिया का खेत हिस्से पर लिया हुआ था। आरोप है कि खेत की पूरी फसल बेचने के बाद भी आरोपी ने राकेश को हिस्से की राशि नहीं दी। परिजनों का कहना है कि जब भी राकेश अपने हिस्से की मांग करता, तो उसे धमकाया जाता और मानसिक रूप से परेशान किया जाता था। कई बार जान से मारने की धमकी भी दी गई। इस विवाद को सुलझाने के लिए समझौते के प्रयास भी किए गए, लेकिन बात नहीं बनी। घटना के दिन सूचना मिलने पर परिजन खेत पर पहुंचे, जहां राकेश का शव पेड़ से फांसी के फंदे पर लटका मिला। परिजनों ने आरोप लगाया कि उनकी जानकारी के बिना शव को नीचे उतार लिया गया और मृतक के शरीर पर चोट के निशान भी थे, जिससे मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। परिजनों का आरोप है कि लगातार मिल रही धमकियों और मानसिक दबाव के कारण ही राकेश ने यह कदम उठाया। उन्होंने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद शव को सरदारशहर के राजकीय अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

पहले ही प्रयास में सफलताः लुणास के पवन सिंह चारण बने आरएएस

519वीं रैंक हासिल, माता-पिता के सपनों को किया साकार, मेहनत और अनुशासन से रचा सफलता का इतिहास

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। निकटवर्ती ग्राम लुणास के युवा पवन सिंह चारण ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा (आरएएस) परीक्षा में 519वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। खास बात यह है कि पवन ने यह सफलता अपने पहले ही प्रयास में प्राप्त की, जो उनकी लगन, अनुशासन और कठिन परिश्रम का उत्कृष्ट उदाहरण है। पवन सिंह चारण ने बताया कि उनके पिता सुमेरसिंह और माता संतोष कंवर का सपना था कि उनका बेटा एक बड़ा अधिकारी बने और देश सेवा के साथ परिवार व समाज का नाम रोशन करे। इसी प्रेरणा को अपना लक्ष्य बनाकर पवन ने निरंतर मेहनत की और आखिरकार अपने माता-पिता के सपनों को साकार कर दिखाया। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता-पिता के आशीर्वाद, गुरुजनों के मार्गदर्शन और अपने लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण को दिया। पवन ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, इसके लिए निरंतर मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच जरूरी है।

उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। पवन की इस उपलब्धि से पूरे गांव लुणास में खुशी की लहर है। परिवारजनों, मित्रों और ग्रामीणों ने मिठाइयां बांटकर खुशी का इजहार किया। समाजसेवी भामाशाह अमरसिंह चारण सहित क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने पवन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों ने कहा कि पवन की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बनेगी और यह साबित करती है कि ग्रामीण परिवेश से भी बड़े सपने साकार किए जा सकते हैं। पवन सिंह चारण की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे तारानगर क्षेत्र के लिए गर्व का विषय बन गई है।

डॉ प्रभाष नारनौलिया ने रिकॉर्ड 49वीं बार किया रक्तदान

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। जब बात मानवता की सेवा की आती है, तो कुछ लोग केवल उदाहरण नहीं बनते, बल्कि इतिहास रच देते हैं। ऐसा ही अद्भुत और प्रेरणादायक कार्य शुक्रवार को देखने को मिला, जब संत निरंकारी मंडल के तत्वावधान में नारायण शिक्षण संस्थान में आयोजित स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में डॉ प्रभाष नारनौलिया ने रिकॉर्ड 49वीं बार रक्तदान कर सेवा का नया अध्याय लिख दिया। एक-दो नहीं, बल्कि लगातार 49 बार रक्तदान करना सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि यह समर्पण, साहस और समाज के प्रति जिम्मेदारी का जीवंत प्रमाण है। डॉ नारनौलिया ने यह साबित कर दिया कि सच्ची देशभक्ति और मानवता की सेवा किसी बड़े मंच की मोहताज नहीं होती—यह तो दिल से किए गए छोटे-छोटे प्रयासों से ही आकार लेती है। लक्ष्मणगढ़ पत्रकार संघ के सचिव व बास्केटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष के रूप में सक्रिय रहते हुए भी उन्होंने समाज सेवा को अपनी प्राथमिकता में रखा है। उनका यह योगदान युवाओं के लिए एक स्पष्ट संदेश है 'रक्तदान करें, जीवन बचाएं और समाज के लिए कुछ कर गुजरें। 'इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता बीएल मील, कांग्रेस नेता कुरड़ाराम धाभाई, भाजपा नेता रतन गोदारा, संत

निरंकारी मंडल के कुंभाराम मुखी एवं गिरीश कुदाल सहित अनेक लोगों ने उनके इस अद्वितीय कार्य की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। शिविर में युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। डॉ नारनौलिया से प्रेरित होकर कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान किया और भविष्य में नियमित रूप से रक्तदान करने का संकल्प लिया। आज के दौर में जहां युवा अक्सर दिशा की तलाश में भटकते हैं, वहां डॉ प्रभाष नारनौलिया जैसे व्यक्तित्व यह दिखाते हैं कि असली हीरो वही है, जो किसी की जिंदगी बचाने के लिए आगे आता है। रक्तदान केवल एक सेवा नहीं, बल्कि जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है।यह आयोजन केवल एक शिविर नहीं, बल्कि एक आंदोलन बनता नजर आया। एक ऐसा आंदोलन, जो हर युवा को यह सोचने पर मजबूर करता है कि वह भी समाज के लिए क्या कर सकता है।

दावत के विवाद में युवक की चाकू से हत्या, सुजला तिराहे पर खून से लथपथ मिला शव

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्य, पुलिस जांच में जुटी

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर में गुरुवार रात एक दावत के दौरान शुरू हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। 22 वर्षीय युवक सरफराज तैली की उसके ही साथियों ने चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब साढ़े 10 बजे सुजला कॉलेज तिराहे पर सरफराज खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर जसवंतगढ़ पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं समाजसेवी संगठन 'टीम हारे का सहारा' के श्याम स्वर्णकार भी मौके पर पहुंचे और सहयोग किया।

दावत में शुरू हुआ विवाद, पीछा कर की हत्याः

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवाओं के बीच झगड़ा जसवंतगढ़ में आयोजित एक दावत के दौरान शुरू हुआ था। विवाद के बाद सरफराज अपने घर जा रहा था, तभी कुछ युवकों ने उसका पीछा किया और सुजला तिराहे पर चाकू से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

एफएसएल टीम ने जुटाए साक्ष्यः

घटना की सूचना पर नागौर से एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से खून के नमूने व हथियार (चाकू) से जुड़े साक्ष्य एकत्र किए। पुलिस ने शव को लाडनूं के सरकारी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां शुक्रवार सुबह बड़ी संख्या में लोग पहुंच गए। शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश जारी है।

जीआईटीबी में जुटेगा दुनिया का पर्यटन जगत

50 देशों के प्रतिनिधि जयपुर में करेंगे साझेदारी

सातों महाद्वीपों की भागीदारी से राजस्थान बनेगा वैश्विक केंद्र

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कास)। राजस्थान पर्यटन एक बार फिर वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराने जा रहा है। 26 से 28 अप्रैल तक जयपुर में आयोजित होने वाला 15वां ग्रेट इंडियन ट्रेवल बाजार (GITB) इस बार सातों महाद्वीपों की भागीदारी के कारण खास बन गया है। इस आयोजन में दुनिया के 50 देशों से विदेशी टूर ऑपरेटर्स और पर्यटन विशेषज्ञ शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री व पर्यटन मंत्री दिया कुमारी ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान पर्यटन अब केवल विरासत तक सीमित नहीं, बल्कि अनुभव आधारित वैश्विक डेस्टिनेशन बन चुका है। बदलते ट्रैवल ट्रेंड और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच राजस्थान की विश्वसनीयता लगातार बढ़ रही है।

जय महल पैलेस में उद्घाटन, जेईसीसी में होंगे बी2बी सत्रः

पर्यटन विभाग के शासन सचिव रवि जैन ने बताया कि 26 अप्रैल की शाम उद्घाटन सत्र जय महल पैलेस में आयोजित होगा, जबकि 27 और 28 अप्रैल को बी2बी सत्र जेईसीसी सीतापुरा में होंगे। इन दो दिनों में 10,000 से अधिक पूर्व-निर्धारित बैठकों के माध्यम से विदेशी खरीदार सीधे भारतीय प्रदर्शकों, होटल संचालकों, डेस्टिनेशन मैनेजमेंट कंपनियों और वेलनेस, वाइल्डलाइफ, एडवेंचर व एमआईसीई सेक्टर से जुड़े प्रतिनिधियों से संवाद करेंगे।

15 साल से भरोसे का प्रतीक बना जीआईटीबीः

पर्यटन आयुक्त रूकमणी रियार ने बताया कि पिछले 15 वर्षों से लगातार आयोजित हो रहा जीआईटीबी राजस्थान पर्यटन की विश्वसनीयता का प्रतीक बन चुका है। विदेशी प्रतिनिधियों की बड़ी भागीदारी यह दर्शाती है कि राजस्थान सुरक्षित, स्थिर और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित हो चुका है।

सातों महाद्वीपों से भागीदारी

इस बार आयोजन में एशिया, यूरोप, उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका, ओशिआनिया और यूरोप-एशिया क्षेत्र सहित सातों महाद्वीपों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। एशिया के 13, यूरोप के 19, उत्तर अमेरिका के 4, दक्षिण अमेरिका के 5, अफ्रीका के 3 और ओशिआनिया के 2 देशों के साथ-साथ अज़रबैजान और रूस से भी प्रतिनिधि जयपुर पहुंचेंगे।

अनुभव आधारित पर्यटन पर फोकसः

राजस्थान अब केवल किलों और महलों तक सीमित नहीं रहा है। आस्था स्थल, हरियाली, जीवंत संस्कृति, वाइल्डलाइफ और एडवेंचर गतिविधियों ने इसे एक समग्र पर्यटन गंतव्य बना दिया है। आयोजन के बाद विदेशी प्रतिनिधियों को जयपुर, सरिस्का, सवाई माधोपुर, जोधपुर, जैसलमेर, बीकानेर, उदयपुर और देवगढ़ के विशेष फैम टूर पर भी ले जाया जाएगा, ताकि वे राजस्थान को करीब से अनुभव कर सकें।

चूरू में 2-3 मई को जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता, 300 खिलाड़ी दिखाएंगे दमखम

आदर्श विद्या मंदिर परिसर में होगा आयोजन

6 कैटेगरी और 10 इवेंट में होगा मुकाबला, राज्य स्तर के लिए होगा चयन

जयपुर टाइम्स

चूरू(नि.सं.)। जिले में योग प्रतिभाओं को मंच देने के उद्देश्य से 7वीं जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन 2 व 3 मई (शनिवार-रविवार) को आदर्श विद्या मंदिर, कृषि उपज मंडी के सामने, सरदारशहर रोड स्थित परिसर में किया जाएगा। प्रतियोगिता में जिले की सभी आठ तहसीलों से करीब 300

खिलाड़ी भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। राजस्थान योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण झाझड़िया ने बताया कि भारत सरकार द्वारा योग को खेलों में शामिल किए जाने के बाद योगासन को राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली है और भारत इसके नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर योग को स्थापित कर रहा है।

तीन एफओपी पर होगा मुकाबला, 7-7 जज करेंगे मूल्यांकनः

संगठन सचिव श्रीमती रोशनी काशवां ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए तीन एफओपी (फील्ड ऑफ प्ले) तैयार की जाएंगी। प्रत्येक एफओपी पर 7 जजों का पैनल तैनात रहेगा, जो निष्पक्ष निर्णय लेकर श्रेष्ठ खिलाड़ियों का चयन राज्य स्तर के लिए करेगा।

राष्ट्रीय स्तर की तैयारी का मिलेगा मौकाः

जिला तकनीकी निदेशक श्रीमती अंकिता महला, राष्ट्रीय कोच व निर्णायक दीपिका सारण तथा मनोज कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता के माध्यम से ऐसे खिलाड़ियों को आगे लाने का प्रयास किया जाएगा, जो भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य व देश का नाम रोशन कर सकें

6 कैटेगरी, 10 इवेंट में दिखेगा हुनरः

चैम्पियनशिप डायरेक्टर डॉ. सहीराम पूनिया ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ियों को छह वर्गों—सब जूनियर, जूनियर, सीनियर, सीनियर-ए, सीनियर-बी और सीनियर-सी—में विभाजित किया गया है। सभी खिलाड़ी कुल 10 इवेंट में भाग लेंगे।

25 कोच व निर्णायक करेंगे संचालनः

सोशल मीडिया प्रभारी पूर्व सहायक समादेष्ठ श्री विजय गोठवाल व योगाचार्य शंकर लाल सैनी ने बताया कि प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए 5 मुख्य जजों के साथ कुल 25 कोच व निर्णायकों की नियुक्ति की गई है। इनमें प्रमुख रूप से डॉ. सुभाष सैनी, कुलदीप सैन, जयदीप राठौड़, ऋचा पारीक, नेहा, शिल्पा शर्मा, निरमा जाखड़, अंकित कुमार, ओमप्रकाश भाकर, कृष्णा झाझड़िया, लतिका सांखला, खुशी, ऋतु, स्वामी पिंटू नेमीचंद, हीरालाल स्वामी, अनुपमा सारस्वत, प्रियंका मरोठिया, कविता कंवर, सविता चौधरी, पूनम चौधरी, प्रीति तंवर व दिव्या शर्मा शामिल हैं।

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।